आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं.1 क्षेत्रीय अख़बार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 342 | इंदौर, गुरुवार 09 जुलाई, 2026 | आषाढ़ कृष्ण 9-10 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े प्रम्बानन हिंदू मंदिर पहुंचे

जकार्ता। पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी उनके साथ गए। दोनों ने मंदिर के संरक्षण-जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए। उन्होंने मंदिर परिसर में अपने संबोधन में कहा मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है। पीएम मोदी के इंडोनेशिया से ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के लिए रवाना हो गए हैं। वे 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहेंगे।

अमेरिका-ईरान सीजफायर खत्म होने का असर, 20 मिनट में ही 1000 अंक टूटा

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर खत्म होने के ऐलान के बाद 8 जुलाई को सेंसेक्स 20 मिनट में 1000 अंक गिर गया। बाजार में आई बिकवाली से निवेशकों की वेल्थ 8 लाख करोड़ रुपए घट गई। मंगलवार को बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों की वैल्यू 480 लाख करोड़ रुपए थी। बुधवार को यह गिरकर लगभग 472 लाख करोड़ रुपए पर आ गई। सुबह सेंसेक्स 364 अंक गिरकर 77816 पर खुला था। दोपहर 1 बजकर 40 मिनट पर यह 580 अंक नीचे 77,600 पर आ गया। 2 बजे तक गिरावट और बढ़ गई और यह 76,600 के करीब आ गया। 3 बजे के करीब ये 76,259 के डे लो पर आ गया। 03:30 बजे ये 1677 अंक या 2.15% गिरकर 76,504 पर बंद हुआ। निफ्टी 516 अंक या 2.12% गिरकर 23,882 पर बंद हुआ।

आंध्र प्रदेश में नाव पलटने के बाद लापता 6 मछुआरों के मारे जाने की आशंका

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम तट के पास लापता हुए मछुआरों के लिए बुधवार को सर्च ऑपरेशन बन कर दिया गया है। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। बीते 4 जुलाई को उनकी नाव पलट गई थी, जिससे उनके जिंदा मिलने की उम्मीदें खत्म हो गई हैं। भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड के चार दिन तक चले सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भी मछुआरों का कोई पता नहीं चल सका। अधिकारियों ने अब लापता मछुआरों के मारे जाने की आशंका जताई है। यह जानकारी एक मछुआरे से मिली थी, जिसे रविवार को एक कार्गो जहाज ने बचाया था। कोस्ट गार्ड के दो जहाजों और दो हेलीकॉप्टरों की मदद से सर्च ऑपरेशन मंगलवार आधी रात तक जारी रहा, लेकिन सर्च टीमों की सभी कोशिशें बेकार गईं।

दृश्यम 3 का नया नैरेटिव तैयार, शैतान 2 पर लगा ब्रेक

मुंबई। अजय देवगन की आगामी फिल्मों को लेकर इंडस्ट्री में लगातार चर्चा बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार. फिलहाल उनका फोकस कई अलग-अलग प्रोजेक्ट्स पर है। इनमें धमाल 4, दृश्यम 3, गोलमाल फ्रेंचाइज की अगली फिल्म और हाल ही में टीजर के बाद चर्चा में आई चौहान शामिल हैं। वहीं, हॉरर-थ्रिलर शैतान के सीक्वल को लेकर फिलहाल किसी सक्रिय प्रगति की जानकारी सामने नहीं आई है। सूत्रों का यह भी कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में अजय देवगन ने खुद को सिर्फ एक्शन फिल्मों तक सीमित नहीं रखा है। उनकी मौजूदा फिल्म लाइनअप में कॉमेडी, इन्वेस्टिगेशन थ्रिलर, हॉरर और ड्रामा जैसी अलग-अलग शैलियों की फिल्में शामिल हैं, जो एक अभिनेता के रूप में उनके विविध प्रयोगों को दर्शाती हैं। शैतान 2 फिलहाल सक्रिय डेवलपमेंट में नहीं है। फिल्म की शूटिंग या प्री-प्रोडक्शन को लेकर अभी तक कोई नई गतिविधि सामने नहीं आई है।

अब सौर ऊर्जा से दौड़ेंगी ट्रेनें, 59 नए स्टेशनों पर लगेंगे सोलर पैनल

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) अपनी बिजली की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहा है। न सिर्फ डीएमआरसी के परिसरों में रोशनी व अन्य आवश्यकताओं के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा है, बल्कि मेट्रो ट्रेनों का परिचालन भी इससे किया जा रहा है। दूसरे राज्यों के सौर ऊर्जा संयंत्रों से बिजली लेने के साथ ही, दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों और डीएमआरसी के अन्य परिसरों में रूफटाप सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। इसी कड़ी में चौथे चरण के 59 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं।

पाकिस्तान का कार्गो प्लेन कराची के पास गायब हुआ

कराची। पाकिस्तान का एक कार्गो विमान मंगलवार रात कराची पहुंचने से पहले लापता हो गया। विमान शारजाह से कराची आ रहा था और उसमें 5 क्रू मेंबर सवार थे। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी के मुताबिक, रात 9.18 बजे पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी। कंट्रोल रूम ने विमान को गाइड करने की कोशिश की, लेकिन करीब तीन मिनट बाद उसका संपर्क टूट गया। आखिरी बार विमान कराची से 155 नॉटिकल मील (287 किमी) पश्चिम में ट्रैक किया गया। विमान के लापता होने के बाद अरब सागर में बड़े स्तर पर सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। पाकिस्तान नेवी, एयर फोर्स और अन्य एजेंसियां खोज अभियान में जुटी हैं। अधिकारियों ने अभी तक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने या किसी हताहत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

मुंबई के इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट, यातायात ठप, गाड़ी के नीचे मिला 6 फीट लंबा मगरमच्छ

लातूर में स्कूल बस पलटने से 22 छात्र घायल, एक की हालत गंभीर

एजेंसी ▸▸ मुंबई

मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में भारी बारिश के कारण आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पानी भरने से जहां एक तरफ रेल यातायात ठप हो गया, वहीं दूसरी तरफ जलभराव के कारण जंगली जानवर भी रिहायशी इलाकों का रुख कर रहे हैं।

ऐसा ही घटना पवई के चांद शाह वली दरगाह के पास से सामने आई। जहां खड़ी गाड़ियों के नीचे एक 6 फीट लंबा मगरमच्छ देखा गया। माना जा रहा है कि भारी बारिश के कारण यह रास्ता भटक कर झील से बाहर आ गया था।

वहीं गुजरात के सूरत और नवसारी में बाढ़ के हालात बन गए हैं। राजस्थान के जोधपुर समेत कई शहरों में सड़कों पर नदियों की तरह पानी बह रहा है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में पांच मंजिला इमारत गिर गई।

मौसम विभाग की चेतावनी- जारी रहेगा भारी बारिश का दौर

उधर, मौसम विभाग ने बुधवार को मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। विभाग की माने तो निचले इलाकों में बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और ट्रैफिक जाम की आशंका है। वहीं दूसरी ओर मौसम विभाग के अनुसार, 9 जुलाई से बारिश की रफ्तार थोड़ी कम होगी और 12 जुलाई से हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है।

बस में करीब 35 छात्र सवार थे

महाराष्ट्र के लातूर जिले में बुधवार सुबह एक निजी स्कूल बस सड़क किनारे बने छोटे नाले में पलट गई। हादसे में 22 छात्र घायल हो गए, जिनमें एक छात्र की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस के अनुसार, बस में करीब 35 छात्र सवार थे और यह उन्हें स्कूल लेकर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि हादसा सुबह करीब 9.30 बजे चाकूर तहसील के सांडोल-महांडोल रोड पर हुआ। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर विद्यालय, राचन्नावाड़ी की बस स्कूल जा रही थी। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे वाहन सड़क से उतरकर नाले में पलट गया।

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी

बाहरी देशों से भी जुट रहे लोग

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पहले गर्मी और अब जबरदस्त बारिश के बीच भी जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। इस बीच देश के अलग-अलग राज्यों से लोग दिल्ली के प्रदर्शन स्थल पर पहुंच रहे हैं। लोगों में पेपर लीक को लेकर इतना रोष है कि कुछ लोग तो विदेश से भी यहां आ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया से आए एक शख्स ने बताया है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन देखा और खुद को जंतर-मंतर पर आने से नहीं रोक पाए। आइए आपको बताते हैं कि सीजेपी के प्रोटेस्ट में लोग कहां-कहां से आए हैं।

ऑस्ट्रेलिया से आए विकास राणा ने बताया कि वो पिछले 10 साल से विदेश में हैं। वो सोशल मीडिया से दूर रहते हैं। अगर वहां जाते भी हैं तो उनके फीड में भारत की न्यूज कम ही आती हैं। लेकिन जब उन्होंने जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रोटेस्ट की न्यूज देखी तो उनसे रहा नहीं गया। नीट पेपर लीक पर गुस्सा जाहिर करते हुए विकास ने कहा कि छात्र सुसाइड कर रहे हैं, ये देखकर उन्हें बहुत निराशा हुई। ऑस्ट्रेलिया के एजुकेशन सिस्टम पर बात करते हुए विकास ने कहा कि वहां लोगों के बीच अमीर और गरीब का फासला नहीं है। वहां, अगर आपके माता-पिता फीस नहीं भर सकते तो नर्सरी से लेकर पीएचडी तक पढ़ाई फ्री है।

फंडिंग की बात को नकार दिया

राजस्थान के भरतपुर से जंतर-मंतर पहुंचे बीएस आर्या ने बताया कि वो इस मूवमेंट को सपोर्ट करने आए हैं। उन्होंने कहा कि वो दो हफ्ते से यहां पर हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा के खिलाफ जो इतना भ्रष्ट सिस्टम चल रहा है, उसके खिलाफ सड़कों पर उतरना जरूरी है। आर्या ने कहा कि वो कॉकरोच जनता पार्टी से नहीं जुड़े हैं, वो सिर्फ नीट पेपर लीक के खिलाफ इस आंदोलन को सपोर्ट करने यहां आए हैं। उन्होंने आगे कहा कि अनशन चल रहा है, कई बच्चे अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं, लेकिन किसी को फर्क नहीं पड़ रहा है। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार ऐसे मौके भी आए, जब पुलिस प्रदर्शनकारियों को परेशान करने की कोशिश करती है। खाने-पीने के लिए जो लोग यहां सामान लेकर आते हैं, उन्हें भी परेशान किया जाता है। जो लोग फंडिंग की बात कर रहे हैं, वो सब झूठ है। अच्छे लोग आगे आकर यहां खुद सपोर्ट कर रहे हैं। कोई खाने की व्यवस्था कर रहा है तो कोई पीने के पानी की।

राममंदिर चंदा चोरी- फर्जी रसीद बुक मिली

एजेंसी ▸▸ अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के तीन आरोपियों लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय को पुलिस ने 40 घंटे की रिमांड पर लिया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को आरोपियों से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की पुरानी फर्जी रसीद बुक मिली है। यह रसीद हूबहू असली की तरह दिखती है। इस पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का लोगो बना है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों ने पूछताछ में कबूला है कि वे फर्जी रसीद काटकर चंदा देने वालों से पैसे भी ऐंठ लेते थे। शुरूआत में टिन्नू यादव, लवकुश, करुणेश, अनुकल्प समेत अन्य आरोपी जब कोई मंदिर में दान देने की इच्छा जताता था, तो उसे रसीद के तौर पर यह फर्जी रसीद दे देते थे, ताकि किसी को शक न हो। अब नई व्यवस्था के तहत रसीद ऑनलाइन मिलती है, इसलिए इन लोगों ने इन रसीदों का इस्तेमाल करना बंद कर दिया था।

ईरान के 80 टारगेट पर अमेरिकी हमले

होर्मुज में जहाजों पर ईरानी हमले के बाद एक्शन

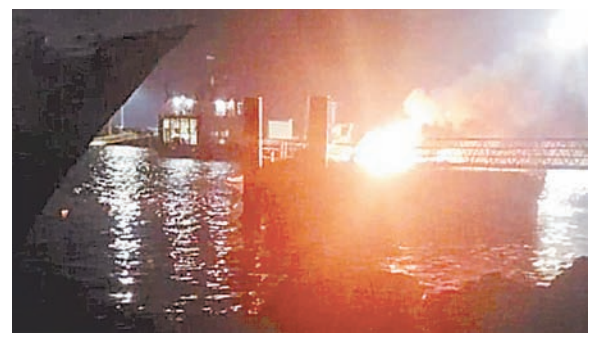

एजेंसी ▸▸ तेहरान

अमेरिका ने ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक यह कार्रवाई होर्मुज में जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो समिट के दौरान कहा कि ईरान के साथ हुआ सीजफायर समझौता अब खत्म हो चुका है और अब वह ईरान से कोई डील नहीं करना चाहते। ट्रम्प ने कहा, हमने पिछली रात ईरान पर जोरदार हमला किया। खतरनाक लोगों को निशाना बनाया। हर बार वे हमला करेंगे, हम जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका का लक्ष्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना है। ट्रम्प ने नाटो पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने दुनिया के सबसे बड़े आतंक समर्थक देश ईरान के खिलाफ अमेरिका का साथ नहीं दिया।

प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मियों को मिली बड़ी खुशखबरी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए आखिरकार वो खुशी का दिन आ ही गया, जिसका उन्हें पिछले एक दशक (10 साल) से इंतजार था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों को अब तक की सबसे बड़ी सौगात देते हुए रुकी हुए प्रमोशन की प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी है। सरकार के इस बड़े फैसले से बरसों से एक ही पद पर बैठे लाखों कर्मचारियों को सीधा फायदा होने जा रहा है। 8 जुलाई को भोपाल स्थित मंत्रालय का नजारा देखने लायक था। जैसे ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कैबिनेट बैठक में शामिल होने के लिए मंत्रालय पहुंचे, वहां मौजूद कर्मचारियों का उत्साह सातवें आसमान पर था। कर्मचारियों ने ढोल-नगाड़ों की थाप और फूलों के गुलदस्तों के साथ मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। प्रमोशन का रास्ता साफ होने की खुशी कर्मचारियों के चेहरों पर साफ देखी जा सकती थी। इस दौरान कर्मचारी कल्याण समिति, मंत्रालय कर्मचारी संघ और अजाक्स के दिग्गज पदाधिकारी और सैकड़ों की संख्या में सचिवालय स्टाफ मौजूद रहा, जिन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इस भावुक और उत्साही माहौल के बीच, कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री के सामने एक और मांग रखी, उन्होंने आग्रह किया कि जिन विभागों में अभी तक यह प्रक्रिया तकनीकी कारणों से शुरू नहीं हो पाई है, वहां भी इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए।

बंगाल में बच्ची से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में नाबालिग से रेप और मर्डर का एक आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पूछताछ के दौरान पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था।

न्यूज एजेंसी के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान प्रभास मंडल ने एक पुलिसकर्मी की राइफल छीन ली। इसके बाद पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें प्रभास को गोली लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बारुईपुर में 12 साल की लड़की 4 जुलाई को लापता हो गई थी। 5 जुलाई को उसका शव एक तालाब से मिला। पोस्टमॉर्टम में रेप की पुष्टि हुई, जिसके बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। पुलिस ने रेप-मर्डर के आरोप में प्रभास सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दूसरा आरोपी आनंद सरदार है।

मां ने ठुकराया शव, बोली- उसने जो किया, उसकी सजा मिली

प्रभास मंडल की मुठभेड़ में मौत के बाद उसकी मां संध्या मंडल ने शव लेने से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा- उसने जो किया, उसकी सजा उसे मिल गई। मैं उसका चेहरा भी नहीं देखना चाहती और परिवार का कोई सदस्य भी शव लेने नहीं जाएगा। संध्या मंडल ने यह भी आरोप लगाया कि उनका बेटा लंबे समय से नशे का आदी था और कभी उनकी बात नहीं मानता था।

यूपी में रिटायर्ड एआरटीओ के घर से

13 किग्रा सोना और 9 किग्रा चांदी मिली

विजिलेंस के छापे में हीरे भी मिले, दीवारों-पैकटों में छिपाया था 1.62 करोड़ कैश

एजेंसी ▸▸ लखनऊ

यूपी में रिटायर्ड सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार के लखनऊ स्थित घर पर विजिलेंस ने छापा मारा। करीब 26 घंटे चली छापेमारी में ललित कुमार के लखनऊ आवास से 13 किलो सोना, 9 किलो चांदी और हीरे के आभूषण बरामद किए हैं। जिनकी कीमत 20 करोड़ रुपए आंकी गई है।

तलाशी के दौरान टीम को करीब 1.62 करोड़ रुपए कैश भी मिला, जो उसने पैकेटों में दीवार और अलग-अलग कमरों में छिपाकर रखे थे। 15 जगहों पर मकान, फ्लैट और खेती की जमीनों के दस्तावेज भी मिले हैं।

पहलगाम हमले के बाद बनी 14 आतंकियों की हिट लिस्ट में यह आतंकी भी था शामिल

जम्मू-कश्मीर में लश्कर कमांडर जाकिर अहमद ढेर

एजेंसी ▸▸ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर जाकिर अहमद गनी मारा गया। बुधवार को सुरक्षाबलों ने उसका शव बरामद किया।

आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद सेना ने शनिवार शाम चनापोरा इलाके में ऑपरेशन शुरू किया था। ऑपरेशन के पांचवें दिन जाकिर गनी का शव बरामद हुआ। एक और आतंकी लतीफ भट के छिपे होने की आशंका है।

जाकिर गनी उन 14 आतंकियों की सूची में शामिल था, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया था। यह संयुक्त ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने मिलकर चलाया।

आंतकियों के खिलाफ 5 दिन से ऑपरेशन जारी

- आतंकियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिलने के बाद शनिवार शाम से चनापोरा इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। ऑपरेशन में सेना की 44 आरआर, 20 आरआर, 34 आरआर, 55 आरआर, 3 पैरा, जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और सीआरपीएफ की 14 व 178 बटालियन शामिल हैं।
- सेना की खास एंटी टेरेरिज्म यूनिट, 'विक्टर फोर्स' ने बाग के घने पेड़ों के बीच से भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद करने के लिए अतिरिक्त जवान तैनात किए और इलाके में रोशनी का इंतजाम भी किया। सुरक्षाबल पिछले कई दिनों से गांवों और आसपास के इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का मंगलवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

हमारी सजगता पर सवाल

धर्मनगरी का नाम लेकर कई लोग अवैध विधि विरूद्ध कृत्यों को आर्थिक लाभ के लिए अंजाम दे रहे हैं। बराबर इसकी जानकारी सोश्यल मिडिया पर भी डाली जाती है। मालवा के भोला मनूष को इससे कोई फर्क नहीं पडता की उसकी धर्मनगरी को कोई बदनाम कर रहा है। धर्मनगरी के नाम पर धन बटोर रहा है। ऐसा ही मामला वर्तमान में दस्तावेजों में जंगल विभाग में काफी दिनों तक चला, इसमें नाम तो धर्मनगरी का उपयोग हुआ लेकिन इसका लाभ कहीं और धन अर्जित कर उठाया गया। जंगल विभाग के दरवाजों से निकलकर मामला काफी चर्चित हो चुका है। दिल्ली निवासी एक कथित तांत्रिक महिला ने सोश्यल मिडिया पर धर्मनगरी ही नहीं बाबा और मंदिर का जिक्र करते हुए अन्यानेक समस्याओं से निजात दिलाने के लिए वन्य जीवों के अंगों से तांत्रिक क्रिया करने के नाम पर कई लोगों को चुना लगाया। कभी किसी जीव का कोई अंग तो कभी किसी जीव का दांत तो कभी किसी जीव की जेर को तांत्रिक विधि में उपयोग कर उससे अन्यानेक समस्या निदान के लिए देश भर के लोगों को जमकर चूना लगाया गया। धर्मनगरी और बाबा के नाम का सहारा लिया गया। वन्य जीवों का बार-बार जिक्र आने की स्थिति के बाद भी धर्मनगरी से कोई नहीं जागा। भला हो वन्यजीव अपराध नियंत्रण वालों का जिन्होंने सोश्यल मिडिया की जानकारी लगने एवं बार-बार धर्मनगरी एवं बाबा का जिक्र आने पर संज्ञान लेकर मामले को जांच के लिए यहां के जंगल विभाग को जागृत किया। जानकारी निकाली जाने पर कथित तांत्रिक महिला दिल्ली की निकली। उससे मुलाकात की फीस ही 35 हजार। ऊपर से वन्य जीवों के अंगों की तंत्र क्रिया की रकम अलग। सब कुछ अग्रिम वो भी आनलाईन खाते में डालने पर ही। उसके खातों की जांच में पिछले 6 माह में ही 4 करोड़ से ज्यादा की रकम जमा होना सामने आया। मामला यहां से संबंधित नहीं होने पर जंगल विभाग ने सूचित कर इतिश्री कर ली। धर्मनगरी एवं बाबा के नाम का जिक्र आने और वन्यजीवों के अंगों से तांत्रिक क्रिया के नाम पर उकसाने वाली इस तांत्रिक के खिलाफ वैसे तो मंदिर प्रबंधन को आगे आकर कानूनी कार्रवाई के लिए कदम बढ़ाने चाहिए थे लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया गया। इसके उलट इस महिला तांत्रिक के पिछले महिनों में मंदिर में आगमन पर उसे वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जाना सामने आया। खुसूर-फुसूर है कि यूं तो जरा-जरा सी बातों में मंदिर को लेकर हंगामा मचाने वालों ने इतना सबकुछ हो जाने पर भी कोई आवाज नहीं उठाई। शहर की तमाम मठाधीश संस्थाएं इसे लेकर मौन रही। मंदिर की और से ही सही इस मामले पर विधि सम्मत कार्रवाई होना ही चाहिए थी। अगर ऐसा नहीं हुआ तो कल से अन्यानेक ऐसे मामले देश के अनेक हिस्सों से लोग अंजाम देने लगेंगे। नजीर के लिए इस मामले में कथित तांत्रिक महिला के सोश्यल मीडिया के अकाउंट को चेक करवाकर उसमें धर्मनगरी और बाबा के नाम के उपयोग के सभी विडियो हटवाए जाना चाहिए। विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए उसे कटघरे में लाया जाना ही चाहिए। इसके लिए मंदिर के जिम्मेदारों को आगे रहकर पहल करना चाहिए।

न्यूज कॉलम

बुधवारिया हाट बाजार में 3 माह में बनेगा हॉकर्स जोन- महापौर

उज्जैन। महापौर मुकेश टटवाल ने मंगलवार को जोन क्रमांक-02 में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जोन अध्यक्ष विजय सिंह कुशवाहा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर ने बुधवारिया हाट बाजार में प्रस्तावित हॉकर्स जोन का निर्माण कार्य आगामी तीन माह में हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि छोटे एवं फुटकर व्यापारियों को व्यवस्थित और सुरक्षित व्यापारिक स्थान उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में महापौर ने स्पष्ट किया कि जिन निर्माण कार्यों की टेंडर प्रक्रिया पूरी होकर वर्क ऑर्डर जारी हो चुके हैं, लेकिन संबंधित ठेकेदारों ने काम शुरू नहीं किया है, उन्हें तत्काल नोटिस जारी किया जाए। नोटिस के बाद भी कार्य प्रारंभ नहीं होने पर संबंधित ठेकेदार की अमानत राशि राजसात करने की कार्रवाई की जाए।

ट्रेडिंग

सीवरेज चेंबर की सफाई के दौरान मंगलवार दोपहर में हुआ बड़ा हादसा

पैर फिसलने से चेंबर में गिरे एक कर्मचारी की मौत

बचाने के प्रयास में उतरे दो कर्मचारी हुए बेहोश, घटनाक्रम देख एसपी ने गाड़ी रुकवाई और रेस्क्यू शुरू कराया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सीवरेज चेंबर की सफाई के दौरान मंगलवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। पैर फिसलने से चेंबर में गिरे एक कर्मचारी की मौत हो गई, बचाने का प्रयास करने उतरे दो कर्मचारी बेहोश हो गए। घटनाक्रम देख एसपी ने अपनी गाड़ी रोकी और रेस्क्यू शुरू कराया।

पिपलीनाका क्षेत्र में दोपहर के समय टाटा कंपनी के कर्मचारी सीवरेज चैंबर की सफाई के लिए पहुंचे थे। आधुनिक जैटिंग मशीन से सफाई का काम शुरू किया गया। खुले चैंबर के पास कर्मचारी अशोक पिता भेरुलाल मिश्रा खड़ा हुआ था। सफाई मशीन के पाइप में उसका पैर उलझा और वह चेंबर के गड्ढे में जा गिरा। घटनाक्रम देख उसे बचाने के लिए दो साथी कर्मचारी गोपाल डाबी निवासी ग्राम अम्बोदिया और रमेश चौहान निवासी नानाखेड़ा बिना संसाधन के उसे बचाने के लिए चेंबर में उतर गए। लेकिन जहरीली गैस से तीनों बेहोश हो गए। इस दौरान मौके से एसपी प्रदीप शर्मा गुजर रहे थे। उन्हें घटना की जानकारी लगी तो अपना वाहन रोक और तत्काल पुलिस टीम के साथ नगर निगम टीम को बुलाकर रेस्क्यू शुरू कराया। करीब आधे घंटे बाद तीनों कर्मचारियों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया, जहां अशोक मिश्रा की मौत होना सामने आया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतक का पोस्टमार्टम कराया है, जो आलोट के ग्राम लूणी रिछा का रहने वाला था।

निगम और प्रशासन की टीम पहुंची पिपलीनाका

सीवरेज के चेंबर में कर्मचारियों के गिरने की खबर लगते ही कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा जी टीम के साथ पिपलीनाका पहुंच गए थे। हादसे के बाद हड़कंप मचा हुआ था। घटनास्थल से अधिकारी अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने उपचार के लिए भर्ती दोनों कर्मचारियों के बेहतर उपचार के निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिए। कलेक्टर ने अपनी जान गवाने वाले कर्मचारी के परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। डॉक्टर ने दोनों कर्मचारियों की हालत खतरे से बाहर होना बताई है।

क्षेत्रीय पार्षद ने लगाया टाटा कंपनी पर आरोप

पिपलीनाका क्षेत्र में हुए हादसे की खबर मिलते ही सीएसपी पुष्पा प्रजापत, जीवाजीगंज थाना प्रभारी प्रतीक शर्मा के साथ क्षेत्रीय पार्षद हेमंत गहलोत भी पहुंचे थे, पार्षद ने आरोप लगाया कि सीवर जैसी जोखिम भरी जगह पर काम करा रही टाटा कंपनी ने कर्मचारियों को गैस डिटेक्टर, ऑक्सीजन सिलेंडर, सेफ्टी हार्नेस और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और सफाईकर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने और उपकरण उपलब्ध कराने की मांग रखी।

दो कर्मचारियों की हालात सामान्य

उपरोक्त तीनों कर्मचारियों को बाहर निकालने हेतु तत्काल राहत कार्य प्रारंभ करते हुए तीनो कर्मचारियों को निकाला जाकर उपचार हेतु चरक अस्पताल में भर्ती किया गया जिसमें टाटा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड का एक कर्मचारी अशोक को मृत घोषित किया गया तथा शेष दो अन्य कर्मचारी गोपाल एवं रमेश की हालात सामान्य है।

थाने में एफआईआर का आवेदन

तत्काल संज्ञान में लेते हुए सम्बंधित कम्पनी टाटा प्रोजेक्ट प्रा. लिमिटेड के विरूद्ध जीवाजीगंज थाने में प्राथमिक सूचना दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। उपचार के दौरान एक कर्मचारी अशोक को डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किया गया तथा दो अन्य कर्मचारियों का उपचार जारी है तथा दोनों कर्मचारियों का स्वास्थ्य सामान्य है।

इन प्रावधानों के तहत 30 लाख रुपये की सहायता

मृतक कर्मचारी अशोक के परिजनों को सीवर/सेप्टिक टेंक सफाई मित्रो के नियोजन का प्रतिषेध एवं उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 के विहित प्रावधान अन्तर्गत 30 लाख रुपए का आर्थिक अनुदान दिये जाने के निर्देश सम्बंधितों को दिए गए। अधिकारियों के अनुसार केंद्र एवं राज्य ने इसे लेकर योजना स्पष्ट की है। इसके तहत सरक्यूलर जारी किया गया है जिसमें 30 लाख की आर्थिक सहायता का प्रावधान स्पष्ट किया गया है।

कलेक्टर अस्पताल पहुंचे

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने पिपलीनाका क्षेत्र में हुई दुर्घटना की सूचना मिलते ही जिला चिकित्सालय पहुंचकर घायल व्यक्तियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उपचार व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिए कि सभी घायलों का सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें सतत् चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए आवश्यक सभी स्वास्थ्य सुविधाएं बिना किसी विलंब के उपलब्ध कराई जाएं। अस्पताल में भर्ती घायलों के परिजनों से भी चर्चा की और उन्हें हर संभव प्रशासनिक एवं चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

बारिश से पहले एक्शन मोड में नगर निगम

खतरनाक जर्जर भवन पर चला बुलडोजर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बारिश के मौसम में संभावित दुर्घटनाओं को रोकने और जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम ने मंगलवार को जोन क्रमांक-03 अंतर्गत एक जर्जर एवं अत्यंत खतरनाक भवन को ध्वस्त करने की कार्रवाई की। यह कार्रवाई आर्य समाज मार्ग एवं डाबरी पीठा क्षेत्र स्थित नितेश बाली, पूजा बाली तथा आकाश सोनी के स्वामित्व वाले भवन पर जेसीबी मशीन की सहायता से की गई।

नगर निगम के अनुसार भवन स्वामियों को पहले ही नोटिस जारी कर निर्धारित समय सीमा में स्वयं भवन हटाने के निर्देश दिए गए थे। समय पर कार्रवाई नहीं होने पर निगम ने नियमानुसार स्वयं भवन को सुरक्षित तरीके से ध्वस्त कराया। यह कार्रवाई निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देशानुसार भवन अधिकारी राजकुमार राठौर एवं भवन दरोगा की मौजूदगी में की गई। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए आसपास के नागरिकों और राहगीरों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वर्षा ऋतु को देखते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में जर्जर एवं गिराऊ भवनों का सर्वे कर उन्हें तत्काल चिन्हित किया जाए। आवश्यकतानुसार भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पंडित ओम व्यास ओम की स्मृति में आज हास्य एवं व्यंग्य सम्मान समारोह

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

पंडित ओम व्यास ओम स्मृति 16वां सम्मान समारोह का आयोजन 8 जुलाई बुधवार को प्रातः 9 बजे तरणताल स्थित राधा पार्क में किया जा रहा है। आयोजन समिति के संयोजक स्वामी मुस्कुराके, शैलेंद्र व्यास एवं हास्य कवि सुरेंद्र सर्किट ने बताया कि हास्य सम्मान इंदौर के कवि प्रदीप नवीन एवं धुरंधर व्यंग्य अलंकरण रतलाम के जुझार सिंह भाटी को दिया जा रहा है। इस अवसर पर कमल पटेल एवं संगीता तल्लेरा काव्य पाठ करेंगे, प्रेमचंद सृजन पीठ के निर्देशक मुकेश जोशी, अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि अशोक भाटी, दिनेश दिग्गज, प्रेम सिंह यादव दिनेश दयावान उपस्थित रहेंगे।

अमृत हरित महाअभियान अंतर्गत एक दिन में 11 हजार से अधिक पौधे रोपे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप नगर निगम द्वारा मंगलवार को अमृत हरित महाअभियान के तहत विक्रम विश्वविद्यालय परिसर में एक ही दिन में 11 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया। अभियान में सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं वृक्ष मित्रों की सहभागिता रही। नगर निगम ने इसे हरित उज्जैन के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया है।

कार्यक्रम में महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कुमट तथा उद्यान विभाग के अपर आयुक्त योगेंद्र सिंह पटेल ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया।

नगर निगम ने अभियान के तहत पूर्व तैयारी करते हुए विक्रम विश्वविद्यालय परिसर में गड्ढों की व्यवस्था की थी। यहां कटहल, करंज, अमरूद, शीशम, जामुन और गुलमोहर सहित विभिन्न छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। निगम के अनुसार पौधों की सुरक्षा, नियमित देखभाल और जियो-टैगिंग सुनिश्चित की जाएगी तथा उनका विवरण 'मेरी लाइफ' पोर्टल पर भी दर्ज किया जाएगा।

शा. शालिग्राम तोमर उमावि दौलतगंज के बच्चों को सम्मान स्वरूप टी शर्ट व स्वल्पाहार वितरित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

दैनिक अवन्तिका के संपादक संदीप मेहता द्वारा योगा कनक श्रृंगा एवं स्पोर्ट्स एसोसिएशन शा. शालिग्राम तोमर उमावि दौलतगंज के बच्चों को सम्मान स्वरूप टी-शर्ट व स्वल्पाहार वितरित किया। संस्था के बच्चों द्वारा रोप मलखम्ब, पोल मलखम्ब, योग व एक्रोबेटिक जिम्नास्टिक का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में कनक श्रृंगा सचिव व कोच संतोष सोलंकी, संस्था उपाध्यक्ष सपना माली, वैष्णवी बारोड, नंदनी विश्वकर्मा, याशिका बागले आदि मौजूद रहे।

आम जनता की समस्याओं को लेकर बरती जा रही घोर लापरवाही के विरोध में

कांग्रेस संगठन कल धरना प्रदर्शन कर नपा परिषद का करेगा घेराव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

नगर पालिका परिषद बड़नगर द्वारा आम जनता की समस्याओं को लेकर बरती जा रही घोर लापरवाही और अनियमितताओं के विरोध में कांग्रेस संगठन गुरुवार (कल) को एक बड़ा आंदोलन करने जा रहा है। ब्लॉक कांग्रेस सेवादल, शहर कांग्रेस सेवादल एवं समस्त कांग्रेस संगठन बड़नगर के संयुक्त तत्वाधान में दोपहर 12 बजे से पूर्व विधायक मुरली मोरवाल के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद का घेराव व विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष डॉ.चैनसिंह चौधरी भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को जनहित से जुड़ी मांगों का एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। कांग्रेस संगठन ने नगर पालिका प्रशासन पर जनता को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इस समय नगर पालिका में नामांतरण के मामलों में अत्यधिक विलंब किया जा रहा है, जिससे आम जनता परेशान है।

इसके साथ ही शहर में यातायात की बदहाल व्यवस्था, शुद्ध पेयजल का संकट, नगर में लगाए गए लाउड स्पीकर व सीसीटीवी कैमरे विगत कई सालों से बंद पड़े हैं। वाहनों की पार्किंग की कोई सुचारू सुविधा नहीं है, जिन विकास कार्यों के टेंडर नगर पालिका में खुले हैं उन्हें दोबारा लगाया जा रहा है इनका कार्य पूर्ण कराया जाए, नदी के घाटों की साफ सफाई नहीं हो रही है, खोब दरवाजा बस स्टैंड पर बने यात्री परीक्षालय में कचरा फेंका जा रहा है वहां से गंदगी व बदबू आ रही हैं, नगर में बने बावड़ी व कुंडों की साफ सफाई नहीं हो रही है, बारिश के समय कई कालोनियों में जल भराव की समस्या उत्पन्न हो रही है आम नागरिकों के घरों में पानी भर जाता हैं, नगर में मच्छरों का अधिक प्रकोप है इसे रोकने के कीटनाशकों का चितकाऊ नहीं किया जा रहा है, गरीबी रेखा के नीचे जीवन व्यापन करने वाले परिवारों का राशन कार्ड नहीं बन रहा है, नालियों की नियमित सफाई नहीं हो रही है, महाराणा प्रताप चौक का सौंदर्यकरण को यथावत रहने दिया जाए, सब्जी व फल विक्रेताओं को स्थाई स्थान अलॉट करने की मांग और शहर में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती से नागरिक और व्यापारी बेहद त्रस्त हैं।

नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है और इस सोए हुए प्रशासन को जगाने के लिए ही यह घेराव और धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। विनीत संगठन ने नगर के सभी प्रबुद्ध नागरिकों, व्यापारियों और पीड़ित जनता से अपील की है कि वे गुरुवार, दोपहर 12 बजे अधिक से अधिक संख्या में नगर पालिका परिषद पहुंचकर इस आंदोलन को सफल बनाएं और अपने हक की आवाज बुलंद करें।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | गुरुवार 9 जुलाई, 2026 | www.awantika.com

न्यूज कॉलम

सीएम ने किसान इरिगेशन की चौथी विनिर्माण इकाई का किया लोकार्पण

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में किसान इरिगेशन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की चौथी नवीन विनिर्माण इकाई का फीता खोल कर और रिमोट का बटन दबाकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने फैक्ट्री परिसर स्थित शिव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना भी की। मुख्यमंत्री ने नवीन इकाई का अवलोकन किया और पाइप निर्माण में उपयोग की जा रही अत्याधुनिक मशीनों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कंपनी द्वारा कृषि, सिंचाई और जल प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कंपनी प्रबंधन को बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र मध्यप्रदेश की औद्योगिक शक्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है।

रेसीडेंसी कोठी पर आयोग मित्रों के साथ बैठक आयोजित

इंदौर। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह इंदौर प्रवास पर आये। उन्होंने रेसीडेंसी कोठी पर आयोजित बैठक में आयोग मित्रों के साथ मानव अधिकार सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बैठक में आयोग मित्र रवि अतरोलिया, डॉ. अवनीश जैन, पराग अग्रवाल शामिल हुए। बैठक में आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग मानव अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही प्रशासन के कार्यों में सहयोग भी देता है। जहाँ कहीं भी मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है, उसे मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग संज्ञान में लेकर उचित कार्यवाही करता है। उन्होंने कहा कि इंदौर स्थित मानव अधिकार आयोग के शिकायत प्रकोष्ठ कार्यालय में मानव अधिकार उल्लंघन से संबंधित आवेदन प्राप्त होते हैं।

इंदौर जू में मिलेगा डिजिटल जंगल का रोमांच

इंदौर। इंदौर के जू में आने वाले दिनों में शहरवासियों को डिजिटल तकनीक से जंगल और वन्यजीव का अनूठा अनुभव मिलेगा। इंदौर नगर निगम द्वारा जू परिसर में अत्याधुनिक 14-ऊथिएटर बनकर तैयार है, जिसका काम अंतिम चरण में है। काम पूरा होते ही इस अत्याधुनिक सुविधा को शहरवासियों के लिए समर्पित किया जाएगा। बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव इस थिएटर को देखने पहुंचे। यहां उन्होंने निर्माण एजेंसी द्वारा किए जा रहे कामों को देखा और इसकी सराहना की। महापौर ने कहा कि पीएम ने इंदौर के बारे में कहा था जब दूसरे शहर सोचते हैं, तब तक इंदौर वह काम कर चुका होता है। इसी सोच के अनुरूप नगर निगम लगातार नवाचार कर रहा है। अब इंदौर जू में 14-ऊथिएटर शहरवासियों को डिजिटल जू और वर्चुअल जंगल का ऐसा अनुभव देगा, जो प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में भी एक नई पहल साबित होगा।

फर्जी ई-चालान एपीके से 24.40 लाख की साइबर ठगी

उज्जैन। सूरत साइबर क्राइम सेल ने 24.40 लाख रुपये की साइबर ठगी मामले में उज्जैन के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों कमीशन लेकर बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। फर्जी ई-चालान एपीके डाउनलोड कराने के बाद पीड़ित का मोबाइल हैक कर रकम उड़ाई गई। सूरत साइबर क्राइम सेल ने मंगलवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने एक ऐसा बैंक खाता उपलब्ध कराया था, जिसका इस्तेमाल साइबर ठगी में किया गया। इस ठगी में एक व्यक्ति से फर्जी आरटीओ ई-चालान एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर उसका मोबाइल हैक किया गया और उसके खाते से 24.40 लाख रुपये निकाल लिए गए।

फायर सेफ्टी को लेकर 100 से अधिक दुकानें-कार्यालय सील

इंदौर। शहर के आरटीएन मार्ग स्थित सिल्वर संचोरा बिल्डिंग में फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं करने पर नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। निगम की टीम ने बिल्डिंग में संचालित 100 से अधिक दुकानों और कार्यालयों को सील कर दिया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, बिल्डिंग में जरूरी फायर सेफ्टी सिस्टम उपलब्ध नहीं था। इससे पहले भी बिल्डिंग सोसायटी को कई बार नोटिस जारी कर फायर सुरक्षा उपकरण लगाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद आवश्यक इंतजाम नहीं किए गए। इसी लापरवाही को देखते हुए निगम ने कार्रवाई करते हुए पूरी बिल्डिंग की दुकानों और ऑफिसों को सील कर दिया।

सियागंज की तीन दुकानों में चोरी सीसीटीवी में कैद हुए बदमाश

इंदौर। इंदौर के प्रमुख इलेक्ट्रिकल होलसेल बाजार सियागंज में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। सियागंज थाना क्षेत्र में देर रात बदमाशों ने तीन दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। नकदी और अन्य सामान चोरी कर फरार हुए आरोपियों की पूरी करतूत दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, बदमाश देर रात बाजार में पहुंचे और तीन दुकानों के ताले तोड़कर अंदर घुस गए। वहां से नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी सोमवार सुबह दुकानदारों के दुकान पहुंचने पर लगी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। व्यापारियों का कहना है कि सियागंज शहर का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिकल होलसेल मार्केट है और थाना भी बाजार के नजदीक स्थित है। इसके बावजूद लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं।

वार्ड 77 के मुक्तिधाम में जीर्णोद्धार का कार्य जारी, लेकिन

शोकाकुल परिवारों की परेशानी का जिम्मेदार कौन?

नागरिक बोले— पहले वैकल्पिक शेड बनता, फिर पुराना हटता तो नहीं होती परेशानी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

तेजाजी नगर क्षेत्र के नई बस्ती (केलोद करताल) स्थित वार्ड क्रमांक 77 के मुक्तिधाम में इन दिनों जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है। क्षेत्रीय पार्षद प्रियंका चौहान की पहल पर यहां लगभग चार नए अंतिम संस्कार प्लेटफॉर्म, बाउंड्री वॉल सहित अन्य विकास कार्य किए जा रहे हैं। क्षेत्रवासी भी इस विकास का स्वागत कर रहे हैं, लेकिन उनका कहना है कि विकास कार्यों के साथ संवेदनशील परिस्थितियों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए था।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुराने मुक्तिधाम का टीन शेड हटाने से पहले यदि किसी एक स्थान पर नया या अस्थायी शेड तैयार कर दिया जाता, तो अंतिम संस्कार के लिए आने वाले परिवारों को बारिश के मौसम में परेशान नहीं होना पड़ता। उनका कहना है कि विकास कार्यों का उद्देश्य जनता को सुविधा देना है, लेकिन यदि निर्माण के दौरान ही लोगों को असुविधा होने लगे तो योजना पर पुनर्विचार जरूरी हो जाता है।

अस्थायी शेड की व्यवस्था होना बेहद जरूरी

- क्षेत्रवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद निश्चित रूप से मुक्तिधाम पहले से अधिक बेहतर और सुविधाजनक बनेगा, लेकिन जब तक कार्य पूरा नहीं होता, तब तक अंतिम संस्कार जैसी आवश्यक सेवा के लिए अस्थायी शेड की व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आखिर बारिश के इस मौसम में यदि किसी परिवार में दुखद घटना होती है, तो वह खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार कैसे करेगा? स्थानीय नागरिक मनीष बागवान और सुमित राठौड़ ने मांग की है कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए तथा नया शेड तैयार होने तक अस्थायी शेड और आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं, ताकि किसी भी शोकाकुल परिवार को अंतिम विदाई के समय अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।
- यह मुद्दा विकास कार्यों का विरोध नहीं, बल्कि संवेदनशील योजना का है। सवाल सिर्फ इतना है कि क्या पहले वैकल्पिक व्यवस्था करके बाद में पुराने शेड को हटाया जाता, तो आम जनता की परेशानी टाली नहीं जा सकती थी?

लोगों ने सवाल उठाया

हाल ही में क्षेत्र के एक परिवार में निधन होने पर अंतिम संस्कार के लिए शव मुक्तिधाम लाया गया। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई। स्थायी शेड नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों ने अपने स्तर पर अस्थायी चादर और टीन की व्यवस्था कर किसी तरह अंतिम संस्कार संपन्न कराया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि यदि पहले वैकल्पिक व्यवस्था कर दी जाती तो शोकाकुल परिवार को इस कठिन परिस्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।

जिला शिक्षा अधिकारी का आदेश बेअसर? प्राचार्यों ने रोक दिए कर्मचारियों के तबादले

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शिक्षा विभाग में हाल ही में हुए बाबुओं और भृत्यों के प्रशासनिक तबादलों के बाद भी कई कर्मचारी अब तक कार्यमुक्त नहीं किए गए हैं। शासन के स्पष्ट निदेर्शों के अनुसार स्थानांतरित कर्मचारियों को दो दिवस के भीतर ऑनलाइन कार्यमुक्त किया जाना था, लेकिन कई संकुल प्राचार्यों द्वारा इस आदेश का पालन नहीं किए जाने की चर्चा विभाग में जोरों पर है।

सूत्रों के अनुसार कुछ कर्मचारी वर्षों से एक ही संस्थान में पदस्थ हैं और स्थानांतरण के बाद भी अपने प्रभाव तथा स्थानीय स्तर पर मिली कथित संरक्षण के कारण कार्यमुक्त नहीं हो रहे हैं। इससे विभागीय आदेशों की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इंदौर जिले में हुए ये स्थानांतरण प्रभारी मंत्री की अनुशंसा पर किए गए हैं। ऐसे में विभागीय स्तर पर इनमें फेरबदल या निरस्तीकरण की संभावना भी सीमित मानी जा रही है। इसके बावजूद यदि कर्मचारी कार्यमुक्त नहीं हो रहे हैं तो सवाल उठ रहा है कि आखिर जिला शिक्षा अधिकारी के आदेशों का पालन कौन नहीं होने दे रहा है।

गौरतलब है की जिला शिक्षा अधिकारी शौर्य मल्होत्रा ने 2 जुलाई 2026 को जारी आदेश क्रमांक 316 के माध्यम से संबंधित स्थानांतरित बाबुओं एवं भृत्यों को तत्काल कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद कई स्थानों पर आदेश का पालन नहीं होने की जानकारी सामने आ रही है।

हाईस्कूलों में भृत्यों की कमी, मिडिल स्कूलों में वर्षों से जमे कर्मचारी

शिक्षा विभाग में लंबे समय से भृत्यों की भर्ती नहीं होने के कारण हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में कर्मचारियों की भारी कमी बनी हुई है। कई सीएम राइज स्कूलों में आउटसोर्स कर्मचारियों के भरोसे व्यवस्थाएं संचालित की जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर, कई एकीकृत मिडिल स्कूलों में आवश्यकता से अधिक भृत्य वर्षों से पदस्थ हैं। छात्र संख्या कम होने के बावजूद वे वहीं बने हुए हैं।

विभागीय जानकारों का मानना है कि यदि ऐसे कर्मचारियों को आवश्यकता वाले हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में पदस्थ किया जाए तो कर्मचारियों की कमी काफी हद तक दूर हो सकती है।

जिला शिक्षा अधिकारी का पक्ष

इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी शौर्य मल्होत्रा से चर्चा की गई। उन्होंने कहा– प्रक्रिया जारी है। जिन कर्मचारियों के स्थानांतरण हुए हैं, उन्हें जल्द ही कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। फिलहाल मैं हाई कोर्ट के कार्य में व्यस्त हूं, इसलिए अधिक बात नहीं कर सकता।"

बड़ा सवाल

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जिला शिक्षा अधिकारी स्वयं कार्यमुक्त करने का आदेश जारी कर चुके हैं, तब भी यदि कर्मचारी पुराने स्थानों पर बने हुए हैं तो जिम्मेदारी किसकी तय होगी? क्या विभाग आदेशों का पालन कराने के लिए सख्त कार्रवाई करेगा या फिर वर्षों से जमे कर्मचारियों की व्यवस्था पहले की तरह ही चलती रहेगी?

पहली बार नए उज्जैन के फ्रीगंज आ सकते हैं भगवान जगन्नाथ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बीते 118 वर्षों से पुराने शहर की परंपरागत गलियों में निकल रही भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा इस बार इतिहास रच सकती है। खाती समाज पहली बार रथयात्रा का विस्तार नए शहर तक करने पर विचार कर रहा है। योजना के अनुसार रथयात्रा बुधवारिया से प्रारंभ होकर टावर चौक फ्रीगंज पहुंचेगी।

ट्रस्ट पदाधिकारियों की जिला प्रशासन के साथ बैठक में इस मुद्दे पर सहमति बनती है, तो रथयात्रा के इतिहास में नया अध्याय जुड़ सकता है। ट्रस्ट सचिव अधिवक्ता मिश्रीलाल चौधरी ने बताया खाती समाज 118 साल से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकालता आ रहा है। कार्तिक चौक स्थित जगदीश मंदिर से यात्रा शुरू होकर ढाबा रोड के रास्ते पुराने शहर में भ्रमण करती है। यात्रा में निकलने वाले बैंड, बाजे, धार्मिक झांकियां, अखाड़े तथा अन्य वाहन गणगौर दरवाजा से रामानुजकोट मार्ग पर खड़े रहते हैं। भगवान का रथ जैसे-जैसे आगे बढ़ता है वाहन कारवां में शामिल होते जाते हैं। इस बार यह संपूर्ण मार्ग उखड़ा पड़ा है। मार्ग दुरुस्तिकरण के लिए संबंधित विभागों से बात की है, लेकिन जिम्मेदारों ने काम पूरा होने में 20 दिन से अधिक समय लगने की जानकारी दी है। ऐसे में समाजजन पहली बार यात्रा बुधवारिया से फ्रीगंज स्थित टावर चौक तक निकालने पर विचार कर रहे हैं।

ऐसा क्या चूक रहे हैं सोनम वांगचुक...?

■ संदीप मेहता

एक बहुत बड़ा मुद्दा है, और अक्सर ये आरोप लगते रहते हैं कि पेपर लीक जैसी चीजें सिस्टम का हिस्सा बन जाती हैं। बीजेपी का उजागर करना शायद राजनीतिक नुकसान से बचने के लिए हुआ, लेकिन सवाल ये भी है कि इस पूरे सिस्टम में सुधार कब होगा, ताकि छात्रों को भरोसा वापस मिले। पेपर लीक का मामला कोई नया नहीं है, ये दशकों से अलग-अलग राज्यों और परीक्षाओं में होता आया है। अक्सर परीक्षा का दबाव इतना ज्यादा होता है कि बिचौलिये और कुछ भ्रष्ट लोग इसमें शामिल हो जाते हैं। जब कोई पार्टी, चाहे वो बीजेपी हो या कोई और, इसे उजागर करती है, तो ये राजनीति में बड़ा विवाद बन जाता है। इस बार भी जब पेपर लीक हुआ, तो बीजेपी ने उसे सार्वजनिक किया, जिससे विपक्ष ने इसे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का प्रतीक बना दिया। लेकिन असली सवाल यही है कि क्या सिर्फ एक बार उजागर करने से व्यवस्था में बदलाव होगा, या फिर इस पूरी भर्ती और परीक्षा प्रणाली को ही पूरी तरह बदलने की जरूरत है, ताकि भविष्य में छात्रों का विश्वास बना रहे और पारदर्शिता आए।

जब हम पेपर लीक जैसे मामलों की बात करते हैं, तो ये सिर्फ एक व्यक्तिगत गलती नहीं होती, बल्कि इसमें आमतौर पर भ्रष्टाचार की एक पूरी संरचना होती है। इसमें कुछ दलाल, एजेंट, और कई बार सरकारी स्तर पर मिलीभगत भी होती है। जब पेपर लीक होता है, तो सिर्फ परीक्षा का नुकसान नहीं होता, बल्कि हजारों बच्चों का भविष्य दांव पर लग जाता है। इस वजह से कई बार छात्रों और अभिभावकों में गहरा असंतोष और निराशा पैदा होती है। और जब परीक्षा रद्द की जाती है, तो केवल एक बार परीक्षा ही नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता भी खत्म हो जाती है। इसलिए, जरूरी है कि सिर्फ उजागर करने से नहीं, बल्कि एक मजबूत न्यायिक और प्रशासनिक जांच हो, ताकि जो भी दोषी हैं, उन्हें सख्त सजा मिले, और सिस्टम में पारदर्शिता और भरोसा वापस आए।

जब छात्रों पर इतना बड़ा दबाव होता है, खासकर ऐसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं में, तो कई बार मानसिक तनाव बहुत बढ़ जाता है। ये एक बड़ा संकेत है कि हमारे शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की जरूरत है, ताकि छात्रों को सिर्फ प्रतियोगिता में नहीं, बल्कि जीवन में सुरक्षित और समर्थ महसूस हो। सरकार, संस्थानों और समाज को मिलकर काम करना होगा, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और हर छात्र को सपनों को पूरा करने का मौका मिले, बिना किसी जान के जोखिम के। यह सच में बहुत दुखद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2021 से 2026 के बीच कम से कम 93 छात्रों ने नीट की तैयारी के दबाव में आत्महत्या की है, और सिर्फ जिनका ज़िक्र मीडिया में आया है। नैशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार, 2021 में करीब 13,089 छात्रों ने आत्महत्या की, जिनमें परीक्षा में असफलता भी एक बड़ा कारण थी।

सोनम वांगचुक का भूख हड़ताल वाकई एक बहुत बड़ा प्रतीक बन गई है। वो छात्रों के हक में, खासकर नीट जैसी परीक्षाओं के दबाव से जूझ रहे बच्चों की सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं। उनका यह आंदोलन, सरकार और समाज दोनों में ही जागरूकता पैदा कर रहा है, और उम्मीद है कि इससे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। ये सच में बहुत निराशाजनक है। जब इतनी बड़ी संख्या में छात्र प्रभावित हों और जान का जोखिम बढ़ रहा हो, तो ज़िम्मेदारी वाले लोगों को त्वरित और सख्त कदम उठाने चाहिए। अभी तक अगर इस्तीफे जैसी कोई कार्रवाई नहीं हुई है, तो निश्चित ही यह एक बड़ा सवाल खड़ा करता है कि आखिर इस मुद्दे पर जिम्मेदारी कौन लेगा और कब तक वास्तविक बदलाव आएगा। चाहे संख्या थोड़ी कम हो या प्रदर्शन का तरीका अलग हो, सरकार का रवैया हमेशा स्पष्ट और संवेदनशील होना चाहिए। आखिर, छात्रों की ज़िंदगी और उनकी आकांक्षाएँ दांव पर हैं, और जब तक सरकार बिना किसी देरी के उचित कदम नहीं उठाती, तब तक भरोसा और सुरक्षा दोनों ही कमजोर पड़ते हैं। ऐसे में एक स्पष्ट जवाबदेही और संवाद बहुत जरूरी है।

भले ही विरोध का तरीका किसी नई पार्टी के बैनर तले हो, लेकिन मुद्दा तो वाकई बहुत गंभीर और संवेदनशील है। सरकार को इस बात को समझना चाहिए कि जो भी पार्टी या प्लेटफॉर्म इस्तेमाल हो, वो मुद्दा अपने आप में छात्रों की जिंदगी से जुड़ा हुआ है। अगर सरकार सिर्फ राजनीतिक रंग देखने लगी, तो वो इस संवेदनशीलता को कम करके आंक रही है, और इससे जनता का भरोसा और दूर हो सकता है।

किसान आंदोलन से हमें यही सीख मिलती है कि जब सरकार और जनता के बीच संवाद और भरोसा समय पर नहीं बनता, तो बाद में बहुत देर हो जाती है और नुकसान भी बहुत होता है। इस बार भी सरकार को पहले से ही अपनी गलती पहचाननी चाहिए, बिना किसी देरी के छात्रों के मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए, ताकि वही इतिहास दोहराया न जाए और नुकसान और न हो।

इंदौर में भी छात्र अब धरने पर बैठ गए हैं, और यह दिखाता है कि यह सिर्फ एक केंद्र या राष्ट्रीय स्तर का मुद्दा नहीं, बल्कि हर जगह छात्रों को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में अगर सरकार स्थानीय स्तर पर भी बात न सुने, तो छात्रों का विश्वास और कमजोर होगा। सरकार को अब तत्काल गंभीरता दिखानी चाहिए, ताकि यह प्रदर्शन और नुकसान आगे न बढ़े। लोकतंत्र में प्रदर्शन और अहिंसक विरोध का अधिकार बहुत अहम हिस्सा है, और भारत में तो ये हमारे संविधान का हिस्सा है। अगर सरकार ऐसा संकेत दे रही है कि आंदोलन करना गलत है, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि सरकार शांतिपूर्ण विरोध और छात्रों की आवाज को भी गंभीरता से सुने, क्योंकि आखिर में लोकतंत्र इसी तरह मजबूत बनता है, हर आवाज को जगह देकर।

दुख की बात है कि अगर लोकतांत्रिक तरीकों पर भी सख्ती से प्रतिक्रिया मिल रही है, तो यह सच में सिर्फ किसी व्यक्ति के रवैये या मिजाज पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। यह तो एक संस्थागत जिम्मेदारी है कि सरकार सभी विरोधों को सुनकर, बिना किसी पूर्वाग्रह के, तर्कसंगत और संवैधानिक तरीके से प्रतिक्रिया दे। अगर ऐसा नहीं होता, तो लोकतंत्र में भरोसा डगमगा जाता है, और लोगों का सिस्टम से जुड़ाव कमजोर पड़ता है। ये वाकई एक अजीब स्थिति है। जब एक तरफ गंभीर मुद्दे पर आंदोलन हो रहा हो, और दूसरी तरफ कुछ लोग इसका मजाक उड़ाते हैं या विरोध करते हैं, तो यह पूरे सामाजिक माहौल को और भी जटिल बना देता है। ऐसे में, जरूरत है कि हम इस मुद्दे को सिर्फ राजनीतिक या हास्य के नजरिए से न देखें, बल्कि छात्रों के जीवन, उनके मानसिक स्वास्थ्य और उनके भविष्य के लिहाज से गंभीरता से समझें।

कुछ मीडिया संस्थान इसे खूब विस्तार से उठा रहे हैं, जबकि कुछ इसे हल्के में या पूरी तरह नजरअंदाज कर रहे हैं। यह भी एक बड़ा सवाल खड़ा करता है, क्योंकि जब मीडिया इस तरह का द्विध्रुष्टि से काम करती है, तो जनता तक पूरा सच नहीं पहुँच पाता, और आंदोलन की गंभीरता भी कम हो जाती है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, क्योंकि जब एक बड़ी परीक्षा जैसे ठएएळ में इतनी गंभीर समस्याएं और छात्रों का जोखिम सामने आता है, तो दुनिया में एक अस्थिरता और व्यवस्था की कमजोरी का संकेत जाता है। अगर भारत ऐसी घटनाओं से समय रहते नहीं निपटता, तो निवेशकों, छात्रों और वैश्विक समुदाय का भरोसा भी प्रभावित हो सकता है, जो लंबी अवधि में भारत की स्थिरता और विकास दोनों के लिए चुनौती बन सकता है।

मुसाखेड़ी ओवरब्रिज का काम देखने पहुंचे कलेक्टर वर्मा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मुसाखेड़ी में बन रहे ओवरब्रिज का काम जल्द रफ्तार पकड़ेगा। बुधवार को कलेक्टर शिवम वर्मा ने निर्माणाधीन ओवरब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को काम तेज करने और तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि एमपीआरडीसी के चार बड़े फ्लाइओवर का निरीक्षण किया जा रहा है। कुछ परियोजनाओं में देरी हुई है, इसलिए संबंधित ठेकेदारों पर पेनाल्टी भी लगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इन कामों को पूरा होने में अभी करीब छह महीने लगेंगे। कलेक्टर ने कहा कि जब तक फ्लाइओवर का काम चलता है, तब तक लोगों को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए सर्विस लेन की मरम्मत और पेचवर्क कराया जाए।

होटल में फायर सेफ्टी अधिकारी के साथ मारपीट

जांच के लिये पहुंचे थे, शासकीय कार्य में बाधा का केस दर्ज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महाकाल मंदिर के आसपास होटलों में फायर सेफ्टी की जांच का अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को नगर निगम के सेफ्टी अधिकारी एक होटल में पहुंचे थे। इस दौरान होटल संचालक के पुत्र ने अधिकारी के साथ अभद्रता करते हुये दस्तावेज फेंक दिया और एक के बाद एक चार चांटे रसीद कर दिये। पुलिस ने मामले में शासकीय कार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज किया है।

महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि नगर निगम की टीम महाकाल मंदिर क्षेत्र की होटल, लॉजों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी की जांच का अभियान चला रही है। बुधवार को प्रभारी फायर अधिकारी लक्ष्मणप्रसाद साहू टीम के साथ जयसिंहपुरा स्थित मां पीताम्बरा होटल रेसीडेंसी जांच के लिये पहुंचे थे। इस दौरान उनका साथी कर्मचारी आशीष भाटी जांच अभियान के लिये पुलिस बल लेने महाकाल थाने चला गया। इस बीच फायर अधिकारी ने अपनी जांच का काम शुरू करते हुये। होटल के रिसेप्शन पर मौजूद कर्मचारी से फायर एनओसी के साथ फायर ऑडिट रिपोर्ट दिखाने और भवन अनुमति संबंधित दस्तावेज मांगे। कर्मचारी ने होटल मालिक मनोहरलाल अरोन्या को जांच टीम के आने की जानकारी दी। होटल मालिक का पुत्र विकास अरोन्या वहां पहुंचा और उसने फायर सेफ्टी अधिकारी साहू के साथ अभद्रता शुरू कर दी। उसने उनका आई कार्ड चैक किया और काउंटर पर रखे दस्तावेजों के साथ उनका वायरलेस सेट फेंक दिया। अधिकारी द्वारा विरोध किया गया तो विकास अरोन्या ने एक के बाद एक चार चांटे रसीद कर दिये। लक्ष्मणप्रसाद साहू ने तत्काल सहायक आयुक्त अग्निशमन राघवेंद्र सिंह पालिया, उपायुक्त संजेश गुप्ता, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा और अपर आयुक्त संतोष टैगोर को मामले की जानकारी दी। वहीं अपने साथ हुई मारपीट की शिकायत दर्ज कराने महाकाल थाने पहुंचे। इस बीच मारपीट करने वाला होटल संचालक का पुत्र भाग निकला था। पुलिस ने विकास अरोन्या के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा के साथ मारपीट, अभद्रता करने की धारा में प्रकरण दर्ज किया है। थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि नगर निगम फायर सेफ्टी अधिकारी के साथ मारपीट करने वाले की गिरफ्तारी के लिये एक टीम गठित की गई है। होटल संचालक और उसके परिवार से संपर्क कर गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। जल्द आरोपी गिरफ्त में होगा।

मारपीट करने वाले की गिरफ्तारी के लिये एक टीम गठित की

इंदौर में अब गंदे पानी के कारण जलसंकट

बारिश के कारण नलों में नहीं आ रहा साफ पानी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में 13 इंच बारिश के बाद जहां भूजल स्तर सुधरने की उम्मीद बढ़ी है, वहीं शहर के कई इलाकों में गंदे और मटमैले पानी की सप्लाई लोगों की चिंता का कारण बनी हुई है। नगर निगम को रोज सैकड़ों शिकायतें मिल रही है।

इंदौर में हुई 13 इंच बारिश ने बोरिंगों को तो रिचार्ज कर दिया है, लेकिन अभी भी शहरवासियों को जलसंकट झेलना पड़ रहा है। नलों में जो पानी रोज सप्लाई हो रहा है, वह ज्यादातर इलाकों में साफ नहीं आ रहा है। पानी में मटमैलापन है और कई परिवार पानी को गर्म करके पी रहे हैं, ताकि पानी के कारण बीमारी न हो। उधर, भागीरथपुरा दूषित पेयजल कांड के बाद नगर निगम के अफसर भी इस बार गंदे पानी की समस्या को लेकर ज्यादा सतर्क हैं और रोज पानी के सैंपलों की संख्या बढ़ा दी है।

इंदौर के सुखलिया ग्राम, खातीपुरा, परदेशीपुरा, बाणगंगा, जनता कॉलोनी सहित कई इलाकों में नलों में गंदा पानी आ रहा है। इसके अलावा राजवाड़ा और आसपास के इलाकों में नर्मदा लाइन पुरानी हो चुकी है और वहां नालियां भी खुली हैं। इस कारण वहां भी नलों से मटमैले पानी की सप्लाई हो रही है। नगर निगम कंट्रोल रूम और निगम के 311 एप पर भी रोज सैकड़ों की संख्या में लोग गंदे पानी की शिकायतें कर रहे हैं।

निगम ने सर्वे शुरू किया

शहर में जिन इलाकों में पानी गंदा आ रहा है, वहां एनजीओ के माध्यम से नगर निगम ने सर्वे शुरू किया है। कर्मचारियों की टीम घरों में जाकर पानी की सप्लाई से जुड़ी जानकारी ले रही है। उन इलाकों पर ज्यादा फोकस किया जा रहा है, जहां नर्मदा लाइन और ड्रेनेज लाइन पास-पास बिछाई गई हैं।

गंदे पानी की शिकायतें आ रही

अफसरों का कहना है कि कई बार हौज का पानी लाइनों में चला जाता है और वह लाइनों में भरा रहता है। दूसरे दिन सप्लाई के समय वही पानी नलों में आता है। जनकार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू ने कहा कि गंदे पानी की शिकायतें आ रही हैं। इस कारण कई इलाकों में अभी भी टैंकरों से सप्लाई जारी है। किराए के टैंकर धीरे-धीरे बंद किए जाएंगे।

सच्चा ब्रह्मचारी कौन

अधिकांश लोग मानते हैं कि ब्रह्मचर्य का अर्थ केवल अविवाहित रहना या शारीरिक संबंधों का पूर्ण त्याग करना है। यही कारण है कि अनेक गृहस्थ यह सोचकर साधना से दूर रहते हैं कि आध्यात्मिक जीवन अपनाने के लिए उन्हें पारिवारिक जीवन छोड़ना पड़ेगा। वास्तव में यह धारणा अधूरी और भ्रामक है। ब्रह्मचर्य का वास्तविक अर्थ है, मन की बहिमुर्खी प्रवृत्तियों को अंतमुर्खी बनाकर उसे पूर्णतः ब्रह्म की ओर प्रवाहित करना। जब मन बाहरी विषयों, इंद्रिय सुखों और भौतिक आकर्षणों में उलझा रहता है, तब वह अपने वास्तविक स्वरूप को भूल जाता है, लेकिन जब वही मन सूक्ष्म चेतना की ओर मुड़ता है, तब वह ब्रह्म के निकट पहुंचने लगता है। यही ब्रह्मचर्य का सार है। सृष्टि का स्थूल रूप वही है, जिसे हम अपनी इंद्रियों से देखते, सुनते और अनुभव करते हैं, जबकि मन सृष्टि का सूक्ष्म पक्ष है। प्रकृति (प्रकृति शक्ति) के प्रभाव से मन धीरे-धीरे स्थूल विषयों की ओर आकर्षित होता जाता है। परिणामस्वरूप, व्यक्ति का अधिकांश समय भौतिक वस्तुओं, इच्छाओं और आसक्तियों में बीतने लगता है। आध्यात्मिक मुक्ति का अर्थ है, मन को प्रकृति के इस प्रभाव से मुक्त कर पुनः सूक्ष्मता की ओर ले जाना।

ब्रह्म स्वयं अत्यंत सूक्ष्म है, इसलिए जो मन केवल स्थूल विषयों में डूबा रहता है, वह ब्रह्म का अनुभव नहीं कर सकता। जब साधना के माध्यम से मन का आकर्षण स्थूल से हटकर सूक्ष्म की ओर होने लगता है, तब वह धीरे-धीरे ब्रह्म में लीन होने लगता है। यही अवस्था वास्तविक ब्रह्मचर्य है। सच्चा ब्रह्मचारी वह नहीं है, जिसने केवल शारीरिक संयम अपनाया हो, बल्कि वह है, जिसका मन निरंतर ब्रह्म में स्थित रहता है। उसकी चेतना बाहरी आकर्षणों से प्रभावित नहीं होती। यह स्थिति किसी बाहरी नियम से नहीं, बल्कि नियमित साधना से प्राप्त होती है। सामान्यतः लोग केवल काम पर विजय को ब्रह्मचर्य मान लेते हैं, जबकि दर्शन के अनुसार मनुष्य के भीतर छह शत्रु (षड्रिपु) हैं- काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मात्सर्य तथा आठ बंधन (अष्टपाश) कार्य करते हैं। ये सभी मन को बाहर की ओर खींचने वाली शक्तियां हैं और सामूहिक रूप से अविद्या माया कहलाती हैं। केवल काम पर नियंत्रण पा लेने से ब्रह्मचर्य की पूर्ण अवस्था प्राप्त नहीं होती। जब तक मन इन सभी बंधनों से मुक्त नहीं होता, तब तक वह ब्रह्मोन्मुख नहीं हो सकता।

इन गहरे मानसिक बंधनों पर विजय केवल संकल्प या दमन से संभव नहीं है। इसके लिए नियमित साधना आवश्यक है। जो लोग साधना किए बिना केवल बाहरी नियमों या कठोर व्रतों के माध्यम से ब्रह्मचर्य प्राप्त करना चाहते हैं, वे वास्तविक लक्ष्य से दूर रह जाते हैं।

सम्पादकीय

साख का सवाल

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से महासचिव चंपत राय बंसल और सदस्य अनिल मिश्र की विदाई देर से ही सही, पर एक दुरुस्त फैसला है। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ने सही कहा है कि इस पूरे प्रकरण से न्यास की छवि धूमिल हुई है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम में हर सनातनी की गहरी आस्था है और वह हर हाल में यथावत रहेगी, मगर उनके काम-काज में किसी किस्म के अमर्यादित आचरण से क्षोभ व जन-आक्रोश का उपजना स्वाभाविक है। इसलिए, जब रामलला के मंदिर में चढ़ावे की चोरी का खुलासा हुआ, तो देश-विदेश का हरेक हिंदू स्तब्ध रह गया! इस एक मंदिर के लिए सनातनियों के साथ-साथ पूरे भारतवर्ष ने काफी त्रासद स्थितियां झेली हैं। यह संतोष की बात है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने बिना वक्त गंवाए विशेष जांच दल का गठन किया और चंद घंटों के भीतर ही न सिर्फ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई, बल्कि आठ लोगों की गिरफ्तारी भी हुई और अब ब्योरे हैं कि उनसे नकदी व आभूषणों की बरामदगी की गई है। सवाल है, न्यास बोर्ड के सदस्य अब एक-दूसरे पर तोहमत लगाकर अपनी जिम्मेदारियों से कैसे बच सकते हैं? ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी जिस तरह के बयान दे रहे हैं, वे हैरान करने वाले हैं। बकौल गिरी, कोषाध्यक्ष होते हुए भी कोष के प्रबंधन में उनकी सीधी भूमिका नहीं थी!

नवंबर 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने विवादित 2.77 एकड़ भूमि रामलला विराजमान को सौंपने का अपना फैसला सुनाया था, तब उसी फैसले में सरकार को यह निर्देश दिया था कि वह मंदिर निर्माण और उसके प्रबंधन के लिए एक ट्रस्ट, यानी न्यास का गठन करे। विडंबना यह है कि राम मंदिर बनाने के नाम पर जितनी राजनीति हुई, ट्रस्ट के गठन और सदस्यों के चयन को लेकर उससे कुछ कम विवाद नहीं हुए। यहां तक कि मंदिर बनने के बाद इसके लोकार्पण की तिथि और समारोह से चारों शंकराचार्यों की दूरी ने भी हिंदू धर्मावलंबियों में एक बड़ी बहस को जन्म दिया। उस समय भी चंपत राय के कुछ बयान साधु-संतों को नागवार गुजरे थे, मगर भगवान राम में श्रद्धा रखने वाले गदगद थे कि उनके आराध्य का मंदिर साकार रूप ले चुका है। श्रद्धालुओं के इस भाव के संरक्षण की महती जिम्मेदारी ट्रस्ट और मंदिर प्रबंधन से जुड़े एक-एक व्यक्ति की थी। बहरहाल, जो घटित हो चुका है, उसका फैसला तो अब अदालत को करना है, मगर जो आगत है, उसे निष्कलुष रखने का दायित्व ट्रस्ट के कंधों पर ही रहेगा।

संदर्भ- विज्ञापनों के जरिए बाल यौन शोषण का खेल

कठिन है अश्लीलता खेल पर रोक की डगर

प्रमोद भार्गव (दैनिक अवन्तिका)

इंटरनेट की दुनिया में ठगी और यौन अपराध के अनेक आयाम सामने आ रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट के जरिए उच्च शिक्षित व अधिकारियों समेत हर वर्ग के लाखों लोगों को ठगा जा चुका है। अब इस कड़ी में मेटा और इंस्टाग्राम पर शुल्क चुकाकर देखे जाने वाले विज्ञापनों के जरिए बच्चों के यौन शोषण और दुव्यवहार से जुड़े वीडियो दिखाने का बड़ा खेल खेला जा रहा है। इस खेल और इंस्टाग्राम के बीच मेटा मध्यस्थ की भूमिका में है। ये वीडियो बहुत कम शुल्क देकर आसानी से मिल जाते हैं। नतीजतन इस सामग्री का प्रसार करोड़ों लोगों के बीच आसानी से हो रहा है। सवाल उठता है कि अगर इस तरह के वीडियो अत्यंत लोकप्रिय सोशल मीडिया के मंच पर आसानी से खरीदे जा रहे हैं तो इसके पीछे साइबर जंजाल की कौनसी ताकतें काम कर रही हैं, उन्हें इस तरह के अपराधिक कृत्य को करने की छूट मिली हुई है। क्या इंस्टाग्राम और उसकी संचालक कंपनी मेटा को इसके लिए सीधा जिम्मेदार ठहराया जाना संभव होगा ? भारत ही नहीं दुनिया की सरकारों को कंपनियों के इस लालच पर अंकुश लगाना मुश्किल हो रहा है।

भारत सरकार ने बाल यौन षोशण से जुड़ी बेहिचक प्रसारित करने वाले इंस्टाग्राम विज्ञापनों के मामले में मेटा को तलब करने का निर्देश दिया है। सरकार मेटा के ही स्वामित्व वाले वाट्सअप को उसकी नई सुविधा के मामले में नोटिस दे चुकी है। इस सुविधा के तहत उपयोगकर्ता को नाम छिपाकर बात करने की सुविधा हासिल है। यानी अरबों की संपत्ति की मालिक इन कंपनियों का लालच येन-केन- प्रकारेण आपत्तिजनक सामग्री से धन बटोरने का बना हुआ है। विडंबना यह है कि ये कंपनियां इतनी ताकतवर हैं, कि सामग्री दिखाने का एजेंडा अपनी सुविधा के अनुसार तय करती है और दुनिया की सरकारें इनके आगे लाचार दिखाई देती है। इस कारण कंपनियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की बजाय यह नियम बनाने को लाचार हुई हैं कि 16 साल के कम उम्र के बच्चों को अश्लील सामग्री स्नेप

चैट, टिकटॉक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सअप और एक्स जैसे प्लेटफार्म पर नहीं दिखाई जाए। ऐसे प्रस्तावों के अंतर्गत सोशल मीडिया के उपयोग से पहले दर्शक की उम्र का सत्यापन करना जरूरी होगा। ब्रिटेन इस तरह का प्रस्ताव लागू करने जा रहा है। इसके नियम दिसंबर 2026 तक बन जाएंगे और मार्च-अप्रैल 2027 तक इन्हें लागू कर दिया जाएगा। दरअसल ब्रिटेन की रॉयल सोसायटी फॉर पब्लिक हेल्थ द्वारा 14 से 24 वर्ष के युवाओं के बीच किए सर्वे से पता चला कि स्नेपचैट, फेसबुक, ट्यूटर और इंस्टाग्राम से इस आयुवर्ग के युवा में अवसाद, चिंता अपने ही शरीर को लेकर हीनभावना और अकेलापन बढ़ रहा है। यदि तीन घंटे से ज्यादा कोई किशोर सोशल मीडिया पर समय बीताता है तो ऐसे किशोरों पर मानसिक समस्याओं का खतरा दोगुना बढ़ जाता है। यदि प्लेटफार्म पर जाने से युवाओं को रोक दिया जाए तो उनके चेहरे पर खुशी, संतुष्टि और उत्साह बढ़ जाता है।

युवाओं पर इन परिणामों को देखते हुए 25 से अधिक देश सोशल मीडिया को प्रतिबंधित करने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, इंडोनेशिया और ब्राजील 2026 के शुरूआत में ही इन प्लेटफॉर्मों को देखने पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। वहीं नार्वे, फ्रांस, अमेरिका और चीन जैसे देश सोशल मीडिया से जुड़े नियम कठोर बना चुके हैं। भारत ने मेटा को तलब करने का नोटिस दिया है। इसके जरिए बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्रियों के विज्ञापनों के आरोपों पर स्पश्टीकरण मांगा है। सात दिन के भीतर नोटिस का जवाब देना होगा। केलिफार्निया में स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा के पास फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सअप जैसे लोकप्रिय एवं सर्वाधिक देखे जाने वाले सोशल मीडिया मंचों का स्वामित्व है। भारत सरकार ने यह कदम बीबीसी की एक रिपोर्ट आने के बाद उठाया है।

बीबीसी की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि मेटा एलगे रिदम के जरिए बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रसारण को बढ़ावा दे रहा है। जिससे सुरक्षा उपायों में गंभीर कमियां उजागार हुई है। अश्लील सामग्री के विज्ञापनों पर रोक संबंधी कठोर नीतियों के बावजूद मेटा के जरिए फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अष्लील विज्ञापन लगातार देखे गए है। इन विज्ञापनों पर शुल्क चुकाने के बाद उपयोगकर्ता को टेलीग्राम चैनलों पर ले जाते है, जहां कथित बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री उपलब्ध रहती है। वैसे भी भारत सरकार ने बच्चों के यौन षोशण से जुड़ी ऑनलाइन सामग्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। सरकार ने समय-समय पर ऐसी बेवसाइट को ब्लॉक भी किया है, जो बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री स्क्रीन पर परोसती है। मेटा को एक नोटिस के जरिए वाट्सअप पर प्रस्तावित यूजर नेम गोपनीय रखने वाले फीचर के संबंध में सवाल पूछा है कि ऐसी सुविधा से आनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट घोटाले और यौन अपराध गंभीर रूप धारण कर सकते है, अतएव इस मुद्दे पर सरकार की संतुश्टि नहीं होने तक इस फीचर को प्रतिबंधित रखा जाए। लेकिन विडंबना है कि जो कंपनियां इस तंत्र को संचालित कर रही है, वह ऐसी आधुनिक तकनीकों को सही और मानव समुदायों के लिए उपयोगी ठहराती हैं। इसी के परिणामस्वरूप संसार में डिजिटल अपराधों का दायरा फैलता जा रहा है। नतीजतन आपराधिक वारदातों पर रोक लगाना कठिन हो रहा है। कोई भी तकनीक अपने आप में निर्जीव और निपेक्ष होती है। किंतु समस्या तब उत्पन्न होती है। जब इसके नाकारात्मक और गैर-कानूनी उपयोग बढ़ जाते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि ऑनलाइन दुनिया ने मानव समुदायों को विश्वव्यापी बहुस्तरीय सुविधाएं दी हैं और इनकी उपयोगिता भी अत्यंत जरूरी हो गई है, किंतु इसकी ओट में समांतर डिजिटल संसाधनों के माध्यम से ही कंपनियां बेजा धन कमाने की हवस में गैरकानूनी गतिविधियां संचालित करने से बाज नहीं आ रही है।

तड़पती सांसे

गाँव की उस बूढ़ी, पथरीली पगडंडी पर धूल का एक बवंडर उठा और पीपल के झुरीदार पत्तों से टकराकर शांत हो गया। जेठ की दुपहरी में जब आसमान आग उगलता है, तब सत्तर पार के दो जोड़े पैर बिना किसी चप्पल के उस तपती मिट्टी को नाप रहे थे। रामसरन की पीठ झुककर कमान हो चुकी थी, मानो वह धरती से अपना खोया हुआ कुछ ढूंढ रहे हों। उनकी लाठी खट-खट करती हुई उस सन्नाटे को चीर रही थी, जो गाँव के सूनेपन की बपौती बन चुका था। उनके ठीक पीछे जानकी अपने फटे आँचल से माथे का पसीना पोंछती हुई घिसट रही थी। उनके हाथों की नसें इस तरह उभरी हुई थीं, जैसे सूखी नदी के पाट पर दरारें पड़ गई हों। वे दोनों किसी गंतव्य की ओर नहीं, बल्कि अपनी ही परछाईं के पीछे भाग रहे थे, जिसे धूप लगातार छोटी करती जा रही थी।

उस धूल-धूसरित रास्ते के ठीक मोड़ पर एक नीम का दरख्त खड़ा था। वही नीम, जिसे रामसरन ने अपने हाथों से सींचा था। आज उसकी छाल उखड़ चुकी थी, पर उसकी जड़ें पाताल को छूने की जिद्द में थीं। अजीब बात थी कि उस बूढ़े दरख्त पर एक भी फल नहीं बचा था, सारे के सारे निबौरी के दाने न जाने कब के गायब हो चुके थे। हवा चलती तो उसकी सूखी टहनियाँ आपस में टकराकर ऐसा रुदन करतीं, मानो कोई माँ एकांत में अपने बहते आंसुओं को दुनिया से छुपाने की नाकाम कोशिश कर रही हो। रामसरन ने नीम की छांव में सुस्ताने के लिए कदम रोके, तो जानकी ने धीमी आवाज में कहा, ₹सुनो, आज डाकिया आया था क्या?₹ रामसरन ने बिना कुछ बोले अपनी धुंधली आँखों को आसमान की तरफ उठा दिया। आँखों के कोरों में जमा हुआ पानी सूखकर नमक बन चुका था, जिसमें अब और बहने की ताकत नहीं बची थी। शहर के एक आलीशान, वातानुकूलित रेस्तरां में मोमबत्तियों की मद्धम रोशनी के बीच कांच के गिलास आपस में टकराए। 'चीयर्स' की आवाज के साथ एक खनकती हुई हंसी गूंजी। उस मेज पर बैठे नौजवान की कलाई पर बंधी महंगी घड़ी टिक-टिक कर रही थी।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 09 जुलाई 2026 गुरुवार
सूर्योदय - 05:42 सूर्यास्त 19:12
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 13:30 से 15:00 तक
तिथि - नवमी 10:38 उपरांत दसमी
नक्षत्र - अश्विनी 14:56 उपरांत भरणी
योग - सुकर्मा 10:12 धृति
करण - गर
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मेष में रहेगा।
मुस्लिम मास - मोहर्रम मास 23 तारिख

मेष- कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें।

वृषभ- जीवनसाथी का सहयोग उलझे मामले सुलझाने में सहायक हो सकेगा। वाहन सावधानी से चलाएं।

मिथुन- राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा।

कर्क- परिवार की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। व्यापार में नई योजनाएं बनेंगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

सिंह- रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें।

कन्या- सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं।

तुला- रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक- व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

धनु- व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। धनार्जन होगा।

मकर- कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा।

कुंभ- प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। रुके हुए काम समय पर होने की संभावना है।

मीन- विरोधी परास्त होंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। धैर्य एवं संयम बना रहेगा।

समसामयिक

कैलास मानसरोवर : भारतीय सभ्यता का मेरुदण्ड, सनातन चेतना का शिखर

भारतीय सभ्यता को यदि किसी एक प्राकृतिक प्रतीक में अभिव्यक्त करना हो, तो वह निस्संदेह हिमालय होगा। हिमालय केवल पर्वतों का समूह नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन, साधना, तप, ज्ञान और सांस्कृतिक निरंतरता का साक्षात प्रतीक है। इसी हिमालय की विराट गोद में स्थित कैलास पर्वत और मानसरोवर झील सहस्राब्दियों से भारतीय जनमानस की श्रद्धा, साधना और आध्यात्मिक आकांक्षा के सर्वोच्च केंद्र रहे हैं। कैलास का स्मरण होते ही भगवान शिव, ऋषियों की तपस्या, योग की परंपरा, हिमालय की नीरवता और आत्मचिंतन का वह विराट संसार सामने उपस्थित हो जाता है, जिसने भारतीय संस्कृति को उसकी विशिष्ट पहचान दी।

राजेश कुमावत (दैनिक अवन्तिका)

वर्ष 2026 में कैलास मानसरोवर यात्रा का पुनः आरंभ केवल एक तीर्थयात्रा का प्रारंभ नहीं है। यह भारत की सांस्कृतिक स्मृति के पुनर्जागरण का अवसर भी है। ऐसे समय में, जब विश्व तीव्र भौतिक प्रगति के साथ-साथ मानसिक अशांति, सांस्कृतिक विखंडन और पर्यावरणीय संकटों का सामना कर रहा है, कैलास का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। यह संदेश है–संयम का, संतुलन का, प्रकृति के प्रति श्रद्धा का और आत्मबोध का।

भारतीय मनीषा ने कभी भूगोल को केवल मानचित्र पर अंकित सीमाओं के रूप में नहीं देखा। हमारे लिए नदियाँ मातृस्वरूपा हैं, पर्वत देवस्वरूप हैं और वन तपोभूमियाँ हैं। इसलिए कैलास का महत्व किसी राजनीतिक सीमा से नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक चेतना से निर्धारित होता है जो हजारों वर्षों से भारतीय समाज की आत्मा में प्रवाहित होती रही है।

विष्णु पुराण का प्रसिद्ध श्लोक भारतीय सांस्कृतिक एकात्मता का अद्भुत उद्घोष करता है–

उत्तरं यत समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम।
वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र संततिः॥

यह श्लोक किसी आधुनिक राष्ट्र-राज्य की सीमा निर्धारित नहीं करता, बल्कि उस सांस्कृतिक भूगोल का बोध कराता है जिसमें हिमालय भारत की पहचान का अविभाज्य अंग है। इसी हिमालय की आध्यात्मिक परंपरा में कैलास सर्वोच्च स्थान प्राप्त करता है। सनातन परंपरा में भगवान शिव केवल पूजा के देवता नहीं हैं। वे योग के आदि गुरु हैं। वे शक्ति और करुणा का अद्भुत संतुलन हैं। उनके मस्तक पर गंगा है, जटाओं में चंद्रमा है, गले में विष है और हृदय में समस्त सृष्टि के प्रति करुणा। यही कारण है कि भारतीय दर्शन में शिव का अर्थ केवल एक देवता नहीं, बल्कि चेतना की सर्वोच्च अवस्था माना गया है।

कैलास की यात्रा इसीलिए केवल दर्शन की यात्रा नहीं है। यह मनुष्य के भीतर स्थित अहंकार से विनमुक्त होकर आत्मबोध की ओर बढ़ने का प्रयत्न है। जो यात्री हजारों किलोमीटर की कठिन यात्रा, बर्फीले मार्ग, कम ऑक्सीजन और विपरीत परिस्थितियों को स्वीकार करता है, वह केवल एक पर्वत तक नहीं पहुँचता; वह अपने भीतर के धैर्य, श्रद्धा और आत्मविश्वास से भी परिचित होता है। भारतीय संस्कृति में तीर्थों का महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहा। तीर्थ समाज को जोड़ते हैं, मनुष्य को विनम्र बनाते हैं और उसे यह अनुभव कराते हैं कि वह प्रकृति की विराट व्यवस्था का एक छोटा-सा अंग है। यही कारण है कि हमारे यहाँ चारधाम, द्वादश ज्योतिर्लिंग, शक्तिपीठ और कैलास जैसी यात्राएँ जीवन के संस्कार मानी गई हैं। कैलास-मानसरोवर का उल्लेख अनेक पुराणों, बौद्ध परंपराओं, जैन ग्रंथों और तिब्बती धार्मिक परंपराओं में भी मिलता है। यह तथ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है कि कैलास केवल एक समुदाय की आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि एशिया की अनेक प्राचीन आध्यात्मिक परंपराओं के लिए भी पवित्र स्थल रहा है। यह उसकी सार्वभौमिक आध्यात्मिक महत्ता का प्रमाण है।

बारिश के मौसम में जकड़ लेती है सर्दी-खांसी, घर पर करें इलाज

बदलते मौसम में सबसे बड़ी परेशानी सर्दी-खांसी और जुकाम की होती है। खासकर बरसात के मौसम में यह परेशानी ज्यादा परेशान करती है। आमतौर पर सर्दी-जुकाम वायरस के संक्रमण के कारण होता है। जुकाम होने का सबसे आम कारण राइनोवायरस का संक्रमण है, जिसकी वजह से नाक से पानी बहने लगता है, साथ ही छींके, गले में खराश और नाक बंद होने की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। । सर्दी-जुकाम ऐसी परेशानी है जिसके लिए डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं है, बल्कि इसका इलाज घर में ही किचन में मौजूद मसालों से किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि सर्दी-जुकाम का घर में इलाज कैसे करें।

शहद, नींबू और इलायची

आधा चम्मच शहद में एक चुटकी इलायची पाउडर और कुछ बूंद नींबू के रस की मिलाकर इसका पेस्ट बनाएं। इसका दिन में 2 बार सेवन करने से खांसी से राहत मिलेगी।

अदरक की चाय का करें सेवन:

औषधीय गुणों से भरपूर अदरक में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, इसका सेवन करके सर्दी-खांसी से निजात पाई जा सकती है। अदरक का सेवन चाय में डालकर करने से खांसी और जुकाम से जल्द राहत मिलती है।

हल्दी के दूध का करें सेवन

बरसात के मौसम में सर्दी-खांसी से बचना चाहते हैं तो हल्दी के दूध का सेवन करें। हल्दी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी वायरल प्रॉपर्टीज बरसात के मौसम में इंफेक्शन से बचाने में मदद करते है।

काली मिर्च का करें शहद के साथ सेवन:

काली मिर्च बदलते मौसम में होने वाली समस्याओं से राहत दिलाने में बेहद मददगार है। सर्दी-खांसी से बचने के लिए आप काली मिर्च पाउडर को शहद में मिलाकर इस्तेमाल कर सकते हैं।

गर्म पानी भी देता है सर्दी से राहत:

सर्दी-जुकाम में गर्म पानी आपको बेहद राहद देगा। इस मौसम में गर्म पानी पीने से गले में जमा कफ खुलेगा और आप सेहत में सुधार महसूस करेंगे।

धर्म-आस्था

मेघ पिता, धरती माता : प्राचीन भारत का अद्भुत मेघविज्ञान और मानसून का वैदिक दर्शन

भारतीय सभ्यता में वर्षा केवल प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति, कृषि और आध्यात्मिक चेतना का आधार रही है। आधुनिक विज्ञान जिस जलचक्र को आज हाइड्रोलॉजिकल चक्र कहकर समझाता है, उसकी वैज्ञानिक और दार्शनिक व्याख्या हजारों वर्ष पूर्व ऋग्वेद में मिलती है। भारतीय ऋषियों ने बादलों को केवल जलवाष्प का समूह नहीं माना, बल्कि उन्हें पर्जन्य अर्थात जीवनदाता पिता का स्वरूप बताया और पृथ्वी को माता का स्थान दिया। यह दृष्टि केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के गहरे वैज्ञानिक अध्ययन का प्रमाण भी है।

ऋग्वेद में वर्णित पर्जन्य सूक्त संसार के सबसे प्राचीन मौसम विज्ञान संबंधी दस्तावेजों में गिना जा सकता है। वैदिक ऋषियों ने स्पष्ट कहा कि सूर्य की ऊष्मा से समुद्र और पृथ्वी का जल वाष्प बनकर आकाश में जाता है, वही बादलों का रूप धारण कर पुनः वर्षा बनकर पृथ्वी पर लौटता है। आधुनिक विज्ञान ने जिस प्रक्रिया को वैज्ञानिक सिद्धांत के रूप में स्वीकार किया है, उसका मूल दर्शन भारतीय वैदिक साहित्य में पहले से उपलब्ध है। ऋग्वेद का मंत्र कहता है–

समानमेतदुदकमुच्चैत्यव चाहभिः।

अर्थात जो जल ऊपर उठता है, वही पुनः नीचे आता है। यह केवल काव्य नहीं, बल्कि जलचक्र की वैज्ञानिक व्याख्या है।

भारतीय चिंतन में मेघ और धरती का संबंध अत्यंत भावपूर्ण है। ऋग्वेद के अनुसार पर्जन्य पिता हैं और पृथ्वी माता। बादलों से गिरने वाला जल अमृत के समान है जिसे धरती माता अपने गर्भ में धारण करती है। यही जल बीजों को अंकुरित करता है, खेतों को हरियाली देता है और समस्त जीव-जगत का पालन करता है।

यह दर्शन आज के पर्यावरण विज्ञान के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आधुनिक पारिस्थितिकी कहती है कि जल, भूमि और वनस्पति एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। भारतीय ऋषियों ने यही बात हजारों वर्ष पहले अत्यंत सरल भाषा में कह दी थी।

भगवान श्रीकृष्ण ने भी श्रीमद् भागवत गीता में वर्षा और अन्न के इसी संबंध को स्पष्ट किया–

अन्नाद्भवन्ति भूतानि पर्जन्यादन्नसम्भवः।

अर्थात समस्त प्राणी अन्न से उत्पन्न होते हैं और अन्न की उत्पत्ति वर्षा से होती है।

यह केवल धार्मिक उपदेश नहीं बल्कि कृषि विज्ञान का मूल सिद्धांत है। भारत की अर्थव्यवस्था सदियों तक वर्षा आधारित कृषि पर टिकी रही। इसलिए मानसून का समय केवल मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि आर्थिक समृद्धि, सामाजिक उत्सव और सांस्कृतिक उल्लास का काल माना गया।

भारतीय मेघविज्ञान की सबसे रोचक विशेषता यह है कि हमारे प्राचीन विद्वानों ने बादलों के अनेक प्रकारों का विस्तृत अध्ययन किया था। वराहमिहिर की वृहत्संहिता में बादलों के रंग, आकार, दिशा, गति और उनसे होने वाली वर्षा का वैज्ञानिक विश्लेषण मिलता है। कहीं श्वेत कपासी मेघ, कहीं गहरे काले वर्षा मेघ, कहीं गर्जना करने वाले बादल और कहीं केवल आकाश को ढँकने वाले मेघ–इन सभी का पृथक-पृथक वर्णन मिलता है।

आज के मौसम विभाग जिन संकेतों के आधार पर वर्षा का पूर्वानुमान लगाते हैं, उनके प्रारंभिक स्वरूप का उल्लेख भारतीय ग्रंथों में आश्चर्यजनक रूप से उपलब्ध है।

महाकवि कालिदास का मेघदूत केवल विरह काव्य नहीं है। अनेक शोधकर्ताओं का मत है कि यह भारतीय मानसून की भौगोलिक यात्रा का अद्भुत दस्तावेज भी है। रामगिरि से प्रारंभ होकर हिमालय और कैलास तक पहुँचने वाले मेघ का मार्ग वस्तुतः दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्राकृतिक दिशा का काव्यात्मक चित्रण है। कालिदास ने मेघ को जड़ पदार्थ नहीं माना। उन्होंने लिखा–

जानामि त्वां प्रकृतिपुरुषं कामरूपं मघोनः।

अर्थात मैं तुम्हें प्रकृति का सजीव पुरुष जानता हूँ, जो इच्छानुसार रूप धारण करता है।

यह कल्पना मात्र नहीं थी। वास्तव में ऋषियों ने बादलों की बदलती संरचना, दिशा और व्यवहार का गहन अवलोकन किया था। कभी वे पर्वतों से टकराकर बरसते हैं, कभी नदियों के ऊपर मंडराते हैं, कभी गर्जना करते हैं और कभी बिना वर्षा के ही आगे बढ़ जाते हैं। भारतीय कृषि परंपरा में भी मेघों का विशेष महत्व रहा है। किसान केवल पंचांग ही नहीं देखते थे, बल्कि हवा की दिशा, बादलों का रंग, गर्जन की तीव्रता, पक्षियों का व्यवहार और वनस्पतियों की स्थिति देखकर वर्षा का अनुमान लगाते थे।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6000 से 6050 विशाल, 5950 से 6000 मसूर 6000,महाराष्ट्र सफेद 7400 से 7500, महाराष्ट्र लाल 7700 से 7900, कर्नाटक 8100 से 8300 निमाड़ी, डेट तुअर 6500 से 7500 मूंग बेस्ट गर्मी, 7100 से 7300 मूंग बेस्ट बोल्ड, 7500 से 7700 मीडियम बोल्ड, 7200 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8700 से 9000, उड़द गर्मी 8000 से 8400 ग्रेविटी, क्लीन 8600 से 8900 हल्का उड़द, 4000 से 6000 काबुली डॉलर, 7000 से 8400 काबुली रशियन, 5800 बिटकी 5200 से 5300, सरसों निमाड़ी 8000 से 8200, रायडा 6800 से 7000 करंज 5000, से 5200 सोयाबीन 6800 अलसी, 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से, 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800, पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज, 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7450 से 7550, मीडियम 7650 से 7750 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1950-2925, धनिया- 10300-12762, चना देशी- 5541-6301, डालर चना- 3850-7310, मटर- 2622-3430, मक्का- 2415, मूंग- 6810, सोयाबीन- 2200-8000, तिल्ली- 10491-11001, सरसो- 6886, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,41,700 रवा- 1,41,500 चांदी- टंच- 2,26,000 पाट- 2,25,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130, तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

सोयाबीन 7030 और लहसुन 15 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक बिका

शुजालपुर। कृषि उपज मंडी समिति शुजालपुर में मंगलवार को विभिन्न कृषि जिंसों की कुल 8075 क्विंटल आवक दर्ज की गई। अनाज मंडी में 2475 क्विंटल तथा सब्जी मंडी में प्याज और लहसुन की 5600 क्विंटल आवक रही। दिनभर कुल 1462 कृषि उपज अनुबंध हुए। खरीफ फसल की बुआई और सोयाबीन की बोवनी जमने के बाद अतिरिक्त रखी हुई सोयाबीन किसानों द्वारा मंडी में बेची जा रही है, जिससे मंडी में पिछले कुछ दिनों से सोयाबीन की आवक बडी है। मंडी में सोयाबीन के भाव सबसे अधिक 7030 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंचे, जबकि मॉडल भाव 7000 रुपए रहा। गेहूं 2086 से 2611 रुपए प्रति क्विंटल के बीच बिका, जिसका मॉडल भाव 2431 रुपए रहा। चना सफेद 5500 से 8420 रुपए, चना मौसमी 4900 से 5640 रुपए तथा चना कांटा 4800 से 5560 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर बिका। धनिया 13060 रुपए, मूंग 6530 से 6930 रुपए, मसूर 5800 से 6500 रुपए और सरसों 6200 से 6800 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर कारोबार हुआ। सब्जी मंडी में प्याज की 4100 क्विंटल आवक रही। इसके भाव 500 से 2780 रुपए प्रति क्विंटल के बीच रहे, जबकि मॉडल भाव 1450 रुपए रहा। वहीं लहसुन की 1500 क्विंटल आवक दर्ज की गई। लहसुन के भाव 1500 से 15 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंचे और इसका मॉडल भाव 10,500 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

जल संसाधन उपसंभाग शुजालपुर की जिम्मेदारी अब श्रीवास्तव संभालेंगे

शुजालपुर। जल संसाधन उपसंभाग शुजालपुर के अनुविभागीय अधिकारी सहायक यंत्री के स्थानांतरण के बाद विभाग ने नई अस्थायी व्यवस्था लागू की है। अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन मंडल उज्जैन ने इस संबंध में कार्यालयीन आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार सहायक यंत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी मयंक स्वर्णकार का मध्यप्रदेश शासन के आदेश के तहत अशोकनगर स्थानांतरण होने के बाद शुजालपुर उपसंभाग में कार्य व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश के तहत जल संसाधन उपसंभाग शुजालपुर में पदस्थ वरिष्ठ उपयंत्री बालकृष्ण श्रीवास्तव को आगामी आदेश तक अथवा शासन द्वारा नियमित पदस्थापना होने तक अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन उपसंभाग शुजालपुर का कार्यभार सौंपा गया है। यह व्यवस्था शासकीय कार्यों के सुचारु संचालन और प्रशासनिक आवश्यकताओं को देखते हुए की गई है।

ग्वाड़े का ताला तोड़कर 10 बकरे-बकरियां चोरी पुलिस ने दर्ज किया मामला

शुजालपुर। पुलिस थाना मंडी अन्तर्गत ग्राम भुगोर में अज्ञात बदमाश ग्वाड़े का ताला तोड़कर 10 बकरे-बकरियां चोरी कर ले गए। पीड़ित द्वारा काफी तलाश के बाद भी पशुओं का सुराग नहीं लगने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम भुगोर निवासी लाड़सिंह बामनिया ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके पास तीन बकरियां, तीन बकरे और चार बच्चे सहित कुल 10 पशु थे। 7 मई की शाम करीब 7 बजे वह उन्हें जंगल से चराकर घर लाया और ग्वाड़े में बांधकर ताला लगाकर अपने घर चला गया। अगली सुबह करीब 6 बजे जब वह पशुओं को छोड़ने पहुंचा तो ग्वाड़े का ताला टूटा मिला और सभी बकरे-बकरियां व उनके बच्चे गायब थे। इसके बाद उसने आसपास के गांवों और हाट-बाजारों में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अंततः उसने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने फ रियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपितों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बस स्टैंड पर करंट से गौवंश की मौत, जांच में वायरिंग में खराबी मिली

शाजापुर। शाजापुर शहर के बस स्टैंड परिसर में मंगलवार रात करंट फैलने से एक गोवंश की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर गौरक्षा सेना के पदाधिकारी और बिजली कंपनी की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने विद्युत आपूर्ति में आई खराबी को दूर कर स्थिति को सुरक्षित किया। गौरक्षा सेना के नगर महासचिव हर्षित परमार ने बताया कि उन्हें बस स्टैंड परिसर में एक नंदी के करंट की चपेट में आने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा और अन्य सदस्य भारी बारिश के बावजूद मौके पर पहुंचे। हालांकि, तब तक गोवंश की मौत हो चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस स्टैंड परिसर में लगे लोहे के अर्थिंग में करंट प्रवाहित हो रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। गौरक्षा सेना ने तुरंत बिजली कंपनी को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मध्य प्रदेश विद्युत मंडल (एमपीईबी) के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और करंट के स्रोत की तलाश कर सुधार कार्य प्रारंभ किया। बिजली कंपनी के जेई रामप्रसाद अहिरवार ने बताया कि जांच में बस स्टैंड परिसर स्थित सम्राट लस्सी की दुकान की वायरिंग में खराबी पाई गई, जिसके कारण करंट फैल रहा था। इस खराबी को तत्काल ठीक कर दिया गया। इस घटना के बाद नगर पालिका की टीम ने मृत नंदी को मौके से हटवाकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे बारिश के दौरान खुले विद्युत उपकरणों और संदिग्ध बिजली के तारों से दूरी बनाए रखें ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके।

दैनिक अवन्तिका

अखबार की निम्न स्थानों पर एजेंसी बदलना है

बेरछा, चौमा डाक बंगला, हाटपिपलिया, कालापीपल, खेड़ा खजूरिया, माचलपुर, खिलचीपुर, मड़ावदा, मेघनगर, माकड़ोन, नरसिंहगढ़, बुरहानपुर, पेटलावद, झाबुआ रानापुर, मनावर, सुवासरा, सोयतकलां में एजेंसी देना है।

सम्पर्क करें

दैनिक अवन्तिका कार्यालय
2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन
0734-4041777, मोबा. 9977755777

खातेगाँव में किन्नर बनकर घरों में लूटपाट करने वाला गिरोह पकड़ाया

चाकू की नोक पर जेवर लूटने वाले छह आरोपी गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खातेगांव

पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो किन्नर का वेश धारण कर घरों में लूटपाट करता था। इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से लूटे गए सोने के आभूषण, वारदात में इस्तेमाल की गई दो कारें और धारदार हथियार बरामद किए गए हैं।

एएसपी सौम्या जैन ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी पहले किन्नर बनकर घरों में प्रवेश करते थे, फिर बातचीत के बहाने विश्वास जीतकर चाकू की नोक पर लूट को अंजाम देते थे।

यह घटना 19 जून को ग्राम बरवाई खेड़ा निवासी 27 वर्षीय कुलदीप जाट के घर हुई थी। तीन आरोपी स्विफ्ट डिजायर कार से उनके घर पहुंचे थे, जिनमें से दो किन्नर के वेश में थे। आरोपियों ने पहले बातचीत कर कुलदीप का विश्वास जीता और फिर चाकू दिखाकर करीब डेढ़ लाख रुपए के सोने के जेवर लूट लिए। इसके बाद वे मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिरों की मदद ली। जांच के दौरान, पुलिस मुख्य आरोपी सोनू उर्फ सुनील निवासी रतलाम तक पहुंची और उसे संदलपुर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सोनू ने अपने पांच अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद कर ली गई।

दो जुलाई को डकैती की योजना बनाते पकड़ा

पुलिस के अनुसार, 2 जुलाई को कन्नौद पुलिस ने इंदौर-बैतूल हाईवे पर ननासा सर्विस रोड के पास से डकैती की योजना बनाते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से हथियार और एक कार भी मिली थी। इन आरोपियों से पूछताछ के दौरान 19 जून को हुई एक लूट की वारदात का खुलासा हुआ।

इनको पहले किया गिरफ्तार

जांच में यह भी पता चला कि गिरोह के अन्य पांच आरोपी पहले से ही कन्नौद थाना क्षेत्र के एक अन्य मामले में गिरफ्तार होकर उप जेल कन्नौद में बंद थे। खातेगांव पुलिस ने न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त कर इन सभी आरोपियों से पूछताछ की। उन्होंने भी लूट की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो सोने की मालाएं, एक जोड़ी सोने के टॉप्स, वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू और अन्य संबंधित सामान बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सोनू उर्फ सुनील (रतलाम), भैरूनाथ, जीवन, लखन, अर्जुन और कैलाश नाथ (धार जिले के विभिन्न गांवों के निवासी) शामिल हैं।

फंदे पर मिला महिला का शव, बेटे की मौत के सदमे से नहीं उबर पाई

देवास। देवास जिले के राजोदा में एक महिला का शव उसके ही घर में फंदे पर लटका मिला। मृतका की पहचान 45 वर्षीय पपीता चौहान के रूप में हुई है।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के समय परिवार के सदस्य घर से बाहर थे। जब वे लौटे तो घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। परिजनों ने गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया। अंदर पपीता चौहान पंखे से रस्सी के सहारे लटकी मिलीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पपीता चौहान, रामप्रसाद चौहान की पत्नी थीं। उनके पति उज्जैन में फैब्रिकेशन का काम करते हैं। घटना वाले दिन भी वे सुबह काम के लिए उज्जैन चले गए थे। मृतका के देवर मांगीलाल ने बताया कि पपीता चौहान के दो बेटे थे। कुछ वर्ष पहले उनके बेटे बंटी की सर्पदंश से मौत हो गई थी। इसके बाद से वह काफी परेशान रहने लगी थीं।

झोपड़ी में आग लगाकर महिला को जिंदा जलाने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

खातेगांव। खातेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बछखाल में 51 वर्षीय महिला को झोपड़ी में आग लगाकर जिंदा जलाने का प्रयास किया गया था। गंभीर रूप से झुलसी महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मंगलवार को पुलिस ने गावं के ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह घटना 18 जून की सुबह करीब 4:00 से 4:30 बजे के बीच की है। ग्राम बछखाल की रहने वाली गायत्री बाई (पति नारायण दास बैरागी) अपनी टापरी में मौजूद थीं। तभी किसी पुराने विवाद को लेकर गांव के ही चार दबंगों ने उनकी झोपड़ी को घेरकर उसमें आग लगा दी। इस आगजनी में गायत्री बाई बुरी तरह झुलस गईं, जिन्हें गंभीर हालत में इंदौर इलाज के लिए ले जाया गया था, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। ये हैं आरोपी गोविंद दास बैरागी, अजय बैरागी, सतानंद बैरागी, गोलू उर्फ अभय बैरागी है। घटना के बाद इंदौर में दर्ज हुए मर्ग के आधार पर खातेगांव पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने मृतिका के परिवार वालों और चश्मदीद गवाहों के बयान दर्ज किए। घटनास्थल के बारीकी से किए गए निरीक्षण के बाद यह पूरी तरह साफ हो गया कि आरोपियों ने सोची-समझी साजिश के तहत जानबूझकर आग लगाई थी।

रस्सी से नहीं बनी बात तो हथौड़े से तोड़ा चैंबर, गौरक्षा सेना ने बचाई नंदी की जान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

जीव दया और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए शहर में गौरक्षा सेना के युवाओं ने एक बार फिर अपनी तत्परता और सूझबूझ का परिचय दिया। ज्योति नगर इलाके में नाले के एक संकरे चैंबर में गिरे बेजुबान नंदी (बैल) को घंटों की मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

रेस्क्यू के दौरान नंदी को चोट न लगे, इसके लिए युवाओं ने चैंबर का एक हिस्सा तक तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ज्योति नगर स्थित मस्जिद के सामने बने नाले के चैंबर में मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे एक नंदी अचानक गिरकर बुरी तरह फंस गया। स्थानीय निवासी संदीप प्रजापत ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत गौरक्षा सेना के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा को घटना की सूचना दी। खबर मिलते ही धर्मेन्द्र शर्मा अपनी टीम के हर्षित परमार, शिवम बिरथरे, अक्षय गुर्जर, चिंटू परमार, चंद्रशेखर जाटव, ललित राठौर और योगेश मेवाड़ा के साथ बिना कोई समय गंवाए तत्काल मौके पर पहुंच गए और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया।

इस पूरी घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। बेजुबान की जान बचाने के लिए गौरक्षा सेना के सदस्यों द्वारा दिखाए गए साहस, त्वरित कार्रवाई और जीव सेवा के प्रति उनके समर्पण को देखकर वहां मौजूद सभी स्थानीय नागरिकों ने उनकी जमकर सराहना की।

लोहे के सरियों ने बढ़ाई चुनौती, बदलनी पड़ी रणनीति

रेस्क्यू का काम आसान नहीं था। टीम ने सबसे पहले रस्सी की मदद से नंदी को बाहर निकालने के दो प्रयास किए, लेकिन चैंबर के अंदर लोहे के सरिये निकले हुए थे, जिससे रस्सी खींचने पर नंदी को गंभीर चोट लगने की आशंका थी। बेजुबान की जान को खतरे में न डालते हुए टीम ने तुरंत अपनी रणनीति बदली। सदस्यों ने हथौड़े की व्यवस्था की और बेहद सावधानी से चैंबर के उस हिस्से को तोड़ना शुरू किया जहां से नंदी को चोंट लगने का अंदेशा था। हथौड़े से चैंबर का हिस्सा तोड़ने के बाद जगह थोड़ी चौड़ी हो गई। इसके बाद पूरी टीम ने संयुक्त रूप से जोर लगाया और नंदी को बिना किसी खरोंच के सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

बस स्टैंड मार्ग पर अतिक्रमण से जाम

स्कूल खुलने व छुट्टी होने पर आवागमन में होती है परेशानी

अकोदिया। शहर का व्यस्त बस स्टैंड मार्ग इन दिनों अतिक्रमण की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। दुकानों के बाहर फैला सामान, हाथ ठेले और सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

बस स्टैंड, परशुराम चौराहा, स्टेट बैंक चौराहा और कंगन चौराहा से लेकर बोलाई रोड तक सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण है। इससे सड़कें संकरी हो गई हैं और कई स्थानों पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। वाहन चालकों को प्रतिदिन जाम का सामना करना पड़ रहा है।

दुकानदारों द्वारा सामान सड़क तक फैलाने और ठेले लगाए जाने से सड़क की चौड़ाई कम हो गई है। इससे आम नागरिकों के साथ-साथ स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को भी आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। सुबह स्कूल खुलने और शाम को छुट्टी के समय स्थिति सबसे अधिक खराब रहती है।

झमाझम बरसे मेघ, उमस से मिली राहत, किसानों के चेहरे खिल

शुजालपुर। तीन दिन के विराम के बाद मंगलवार को क्षेत्र में एक बार फि र मानसून मेहरबान हुआ। दिनभर उमस भरे मौसम के बाद शाम को पहले रिमझिम बारिश शुरू हुई और इसके बाद करीब आधे घंटे तक झमाझम बारिश हुई। अच्छी बारिश से लोगों को उमस से राहत मिली, वहीं खेतों में नमी बढ़ने से किसानों के चेहरे खिल उठे। बारिश के चलते शहर के कई हिस्सों में नालियों की समय पर सफ ाई नहीं होने का असर भी देखने को मिला। कई स्थानों पर नालियों का पानी सड़कों पर बहता नजर आया, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर लगातार हो रही बारिश से जिले के तालाबों और जलाशयों का जलस्तर भी बढ़ने लगा है। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस से मंगलवार सुबह 8 बजे तक जिले में 13.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 21 मिमी वर्षा कालापीपल तहसील में हुई।

औचक निरीक्षण में नदारद मिले सभी डॉक्टर, कटेगा एक दिन का वेतन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

जिला अस्पताल में मरीजों की सुविधाओं और स्वास्थ्य के साथ हो रही घोर लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। लंबे समय से मिल रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जब प्रशासनिक अधिकारियों ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया, तो पूरी ओपीडी रामभरोसे नजर आई। ड्यूटी के समय ओपीडी कक्षों से सभी डॉक्टर गायब मिले। मरीजों की इस फजीहत और चिकित्सकों की मनमानी पर सख्त रुख अपनाते हुए प्रशासन ने सभी अनुपस्थित डॉक्टरों का एक दिन का वेतन काटने का कड़ा निर्देश दिया है।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल में मेडिकल बोर्ड भी लगा हुआ था। जिले भर से दिव्यांग और अन्य मरीज अपना मेडिकल प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सुबह से ही अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन डॉक्टरों के न होने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति यह है कि बोर्ड के सदस्य डॉक्टर कभी भी एक साथ उपलब्ध नहीं होते हैं, जिसके कारण महज एक मेडिकल प्रमाण पत्र बनवाने के लिए मरीजों को कई सप्ताह तक अस्पताल के चक्कर काटने पड़ते हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर हुई कार्रवाई

अस्पताल की अव्यवस्थाओं, डॉक्टरों की अनुपस्थिति और आयुष्मान कार्ड न बनने जैसी लगातार मिल रही शिकायतों के बाद कलेक्टर के निर्देश पर मंगलवार को औचक निरीक्षण किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य और अस्पताल प्रभारी एवं डिप्टी कलेक्टर नेहा जब सुबह 10 बजे अस्पताल पहुंचीं, तो ओपीडी में एक भी चिकित्सक मौजूद नहीं था। इलाज और अन्य कार्यों के लिए आए मरीज डॉक्टरों के इंतजार में इधर-उधर भटकते नजर आए।

अधिकारियों ने दिखाई सख्ती

इस पूरी कार्रवाई के संबंध में सीएमएचओ डॉ. कमला आर्य ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सभी डॉक्टर अनुपस्थित मिले हैं। इस घोर लापरवाही पर तत्काल प्रभाव से सभी का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने मेडिकल बोर्ड और आयुष्मान कार्ड को लेकर मिल रही शिकायतों के सही पाए जाने की भी पुष्टि की। वहीं, अस्पताल प्रभारी एवं डिप्टी कलेक्टर नेहा ने स्पष्ट किया कि अस्पताल की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं।

In The Court Of II Additional Judge To I Civil Judge Class-1 Presiding Officer: **सुश्री दीपिका यादव**

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक

(MJC SUC/0000027/2026)

जोहर अली----------आवेदक

Vs

सर्व साधारण-------अनावेदक

Process Id-/2026

पेशी दिनांकः 04/08/2026

प्रेषिती

(1) सर्व साधारण पता- सर्वसाधारण

(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण क्रं.1 जोहर अली पिता कादर अली, आयु-57 वर्ष, व्यवसाय-व्यापार, निवासी-मुबारक मंजिल जूना सोमवारिया वीर दुर्गादास मार्ग उज्जैन आदि की ओर से एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 उत्तराधिकार अधिनियम के अधीन आवेदकगण के पिता कादर अली पिता अब्बास अली नं वर्ष 2012 में बैंक ऑफ इंडिया शाखा अरविंद नगर उज्जैन से एक होम लोन खाता क्रं. 910775100020618 पर लिया था तथा कादर अली के द्वारा उक्त लिये गये लोन की किश्ते समय समय पर अदा की जा रही थी तथा उनके पिता कादर अली की मृत्यु दिनांक 26/02/2012 को उज्जैन शहर में हो गई थी जिसके पश्चात उक्त लोन को उनके वारिसों के द्वारा नियमित रुप से बैंक में किश्ते दिनांक 15/01/2015 को जमा कर दी गई थी, आवेदकगण के पिता कादर अली के द्वारा उक्त लोन लेते समय अपने भवन की मूल रजिस्ट्री और नामांतरण बैंक में जमा किये गये थे, आवेदकगण को उक्त मूल रजिस्ट्री और नामांतरण एवं लोन की एन ओ सी की आवश्यकता है। आवेदकगण के पिता कादर अली की मृत्यु के पश्चात उनके वारिसान उत्तराधिकारी है। आवेदकगण को उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 04 अगस्त 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 04 अगस्त 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 06 जुलाई 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

सुश्री दीपिका यादव

प्रथम व्य. न्याया. वरिष्ठ खण्ड के द्वितीय अति. न्यायाधीश उज्जैन (म.प्र.)

कृपया ध्यान दे- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् महिदपुर जिला उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026/1837 **महिदपुर, दिनांक 07.07.2026**

दुकान आवंटन हेतु ई निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका परिषद् महिदपुर द्वारा आवंटन से शेष दुकानों के निविदा प्रस्ताव मध्यप्रदेश नगरपालिका (अचल सम्पत्ति अन्तरण) नियम 2016 (यथासंशोधित) के प्रावधानों के अंतर्गत राईट ऑफ आक्यूपेशन के तहत ई निविदा के माध्यम से आमंत्रित किये जाते हैं-

स. क्र.	टेण्डर आईडी क्रमांक	दुकान का स्थान	दुकान की क्रमांक	दुकान का आरक्षण	न्यूनतम ऑफर राशि	निविदा अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	मासिक किराया राशि
1	2	3	4	5	6	8	9	10
1	2026_UAD_519632_1	गणेश चौपाटी, सेमल्या रोड़ पर नवनिर्मित दुकानें	1	अनारक्षित	553910	25000	2000	500
2	2026_UAD_519632_2		2	अनारक्षित	553910	25000	2000	500
3	2026_UAD_519632_3		4	पिछड़ा वर्ग	553910	25000	2000	500
4	2026_UAD_519632_4		8	अनारक्षित	553910	25000	2000	500
5	2026_UAD_519632_5		9	अनारक्षित	553910	25000	2000	500
6	2026_UAD_519632_6		12	अनारक्षित	553910	25000	2000	500
7	2026_UAD_519632_7	नवीन पार्क, बारापत्थर के बाहर नवनिर्मित दुकानें (मॉडल स्कूल के पास)	11	अनारक्षित	311039	25000	2000	500
8	2026_UAD_519632_8		12	पिछड़ा वर्ग	311039	25000	2000	500
9	2026_UAD_519632_9		13	अनारक्षित	311039	25000	2000	500
10	2026_UAD_519632_10		14	अनारक्षित	311039	25000	2000	500
11	2026_UAD_519632_11		16	अनारक्षित	320759	25000	2000	500
12	2026_UAD_519632_12		17	अनु.जाति	311039	25000	2000	500
13	2026_UAD_519632_13		18	अनारक्षित	311039	25000	2000	500
14	2026_UAD_519632_14	न्यायालय परिसर के सामने प्रथम तल की दुकानें	3	अनारक्षित	579984	25000	2000	500
15	2026_UAD_519632_15		4	अनारक्षित	557673	25000	2000	500
16	2026_UAD_519632_16		5	अनारक्षित	645176	25000	2000	500
17	2026_UAD_519632_17		6	अनारक्षित	994696	25000	2000	500
18	2026_UAD_519632_18		7	अनारक्षित	624775	25000	2000	500
19	2026_UAD_519632_19		8	अनारक्षित	694239	25000	2000	500
20	2026_UAD_519632_20		9	अनु.जाति	706884	25000	2000	500

ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथी दिनांक 23.07.2026 को सांय 5.30 बजे तक रहेगी। ई-ऑक्शन की जानकारी केवल पोर्टल के माध्यम से दी जावेगी। ई-निविदा की शर्तें एवं अन्य जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका महिदपुर

शमशान घाट एवं रोड की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा

खाचरोद। ग्राम वाचखेड़ी में श्मशान घाट ओर रोड की समस्या को लेकर आज अनुविभागीय अधिकारी , एवं जनपद को ज्ञापन प्रेषित किया गया, ओर ये मांग की कि बलाई समाज के लोगों के पास आज तक शासकीय शमशान नहीं हे, ओर गांव से नई आबादी तक रोड कि भी कोई व्यवस्था नहीं है, जो कि एक आम रास्ता भी हे , ग्राम पंचायत से लगाकर विधायक एवं सभी आला अधिकारियों को अवगत करवाया लेकिन आज तक सुनवाई नहीं हुए, जन सुनवाई में अनुविभागीय अधिकार मेडम ने हमे आश्वासन दिया कि जल्दी आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा, ज्ञापन में मुख्य रूप से यूथ कांग्रेस नेता व पार्षद नारायण मंडावलिया पंचायत राज संगठन प्रभारी समरथ मालवीय बाचाखेडी,लखन मालवीय, गोपाल मालवीय, रवि मालवीय, पारस मालवीय, सोहन मालवीय,आत्माराम मालवीय, बद्रीलाल जी, गिरधारी लाल, चंदा पूरी गोस्वामी, दशरथ मालवीय,मोहन सोलंकी, गोविंद मालवीय एवं सैकड़ों की संख्या में मालवीय बलाई समाज के लोग उपस्थित हुए।

हाई सेकेंडरी स्कूल कचनारिया में निशुल्क साइकिल वितरण

तराना। मध्य प्रदेश शासन द्वारा में हाई सेकेंडरी स्कूल कचनारिया में निःशुल्क साइकिल वितरण की गई। जिसमें मुख्य अतिथि रायसिंग परमार सरपंच मानसिंह सेठ, उपसरपंच प्रिंसिपल प्रेमनारायण कटारिया, राजाराम पाटीदार राजेश पाटीदार नंदकिशोर सरिया संजय सोनी संचालन संजय शर्मा एवं छात्रों को मध्य प्रदेश सरकार की विभिन्न योजना अंतर्गत बताई गई। जिसमें सभी लोग उपस्थित रहे विमल जैन आभार व्यक्त किया गया।

चौहान ने विधायक प्रतिनिधि नियुक्त होने पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

बडौद। भाजपा मंडल बडौद के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष एवं महामंत्री शंकरसिंह चौहान (नारेला) को मिलनसार छवि वाले व्यक्तित्व से प्रसन्न होकर विधायक मधु गहलोत ने शंकरसिंह चौहान (नारेला) को बडौद का प्रशासनिक कार्य हेतु विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया। उनकी नियुक्ति से बडौद नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में खुशी का वातावरण है ।चौहान को विधायक प्रतिनिधि बनने पर जगह जगह स्वागत किया गया। किसान मोर्चा मंडल बडौद के मंडल अध्यक्ष मुकेश शर्मा, चंद्रपाल सिंह राजपूत के द्वारा आगर रोड स्थित प्रतिष्ठान पर तिलक निकालकर, साफा बांध एवं पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर मंडल मंत्री उमरावसिंह, कालूसिंह,मंडल उपाध्यक्ष गोविंदसिंह , शंकर सिंह सरपंच कुबडिया खेड़ी,वरिष्ठ कार्यकर्ता हरिनारायण शर्मा, रतनलाल परमार, मंडल उपाध्यक्ष नारायण जायसवाल,मनोहर सिलोरिया, जगदीश चंदाचोरिया, शिवनारायण विश्वकर्मा, राहुल विश्वकर्मा, कमलसिंह खजूरी सहित कार्यकर्ता द्वारा मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया और आपके उज्जवल भविष्य की कामनाएं की।

वार्ड क्र.1 में डेढ़ माह से नल बंद पड़े हैं लोगों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा

टोंक खुर्द। शासन की जनसुनवाई टोंक खुर्द मे पूर्व पार्षद प्रतिनिधि कालू बामनिया ने लिखित आवेदन प्रस्तुत किया।अनुविभागीय अधिकारी महोदया राजस्व अनुभाग रितु चौरसिया को। आवेदन पत्र में उल्लेखनीय है कि नगर परिषद टोंक खुर्द के वार्ड नंबर 1अयोध्या बस्ती अंबेडकर नगर में शासन की नल जल योजना से डेढ माह से नल बंद पड़े हुए हैं। वार्ड वासियों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है वार्ड वासियो दूर दराज हैंड पंपो से पानी लाकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। एवं जब कभी कभी नल में संबंधित विभाग द्वारा पानी सप्लाई करते हैं तो पीने का पानी गंदा आता है इससे बीमारी संक्रमण फैलने की आशंका बनी रहती है ।पानी नहीं होने के कारण मकानो के सामने सफाई नहीं होने पर गंदगी का साम्राज्य,नालियों भी चौक हो चुकी है एवं गंदगी पसरी हुई है। जो सफाई नहीं होने के कारण दुर्गंध फैल चुकी है। नालियों में कीड़े पड़ चुके हैं। नगर परिषद के जवाबदार कर्मचारियों से वार्ड वासियों कहते हैं नल चालू करने की तो वह कहते हैं कि चालू नहीं होगा ।वार्ड के पूर्व पार्षद प्रतिनिधि कालू बामनिया युवा समाजसेवी अजय बामनिया, मनोहर बामनिया, कमल सिंह बामनिया, गोवर्धन सिंह चौधरी, चेतन चौधरी संहित संपूर्ण वार्ड वासी के लोगों ने कलेक्टर ऋतुराज सिंह से मांग की है कि टोंक खुर्द नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी राकेश वैद्य के विरुद्ध शासन के नियम के प्रावधान अनुसार कानूनन वैधानिक दंडात्मक कठोर कड़ी कार्रवाई की जाए।

भाजपा का हर व्यक्ति कहता था कि मैं भी चौकीदार. अब कहे मैं भी चंपक चोर

भाजपा ने प्रभु श्रीराम के नाम पर चंदा खाया व वोट मांगने की राजनीति की- विधायक परमार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ तराना

भाजपा का हर व्यक्ति कहता था कि मैं भी चौकीदार अब कहे मैं भी चंपक चोर। भारतीय जनता पार्टी ने प्रभु श्री राम के नाम पर चंदा खाया प्रभु श्री राम के नाम पर सरकार बने प्रभु के नाम पर वोट मांगने की राजनीति की है। हमें इन चंदा चोरों से हिसाब मांगना चाहिए। उज्जैन में भगवान महाकाल को भी नहीं छोड़ रहे हैं।

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में भूमि को लेकर कथित घोटाले हुए हैं। हम सब मेहनत करके अपने बच्चों को पढ़ाते हैं ताकि वह पढ़ लिखकर अपना उज्जवल भविष्य बना सके एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन कर सके नीट यूपीएससी परीक्षा में फीस आदि पर लाखों रुपए खर्च करते है। बच्चे 20-

20 घंटे पढ़ाई करते हैं और एक पेपर लीक हो जाता है इसकी वजह से बच्चे की मेहनत खत्म हो जाती है कई बच्चों ने आत्महत्या भी कर ली है। नीट पेपर घोटाले पेपर चोरी के प्रकरण में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए एवं दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

यह बात विधायक महेश परमार ने एस डी एम कार्यालय घेराव के दौरान कही। बुधवार सुबह 11:00 बजे मालाखेड़ी मार्ग स्थित विधायक निवास से एस डी एम कार्यालय तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पैदल मार्च निकाला गया यह पैदल मार्च हॉस्पिटल मार्ग बस स्टैंड जवाहर चौक झंडा चौक नयापुरा होते हुए एस डी एम कार्यालय पहुंचा। जनहित के मुद्दों को लेकर विशाल जन आंदोलन एवं किया। विधायक परमार तराना विधानसभा के किसान ऑन की समस्याओं पर कहा कि किसानों को समय पर पर्याप्त खाद्य उपलब्ध कराई जाए तथा स्टॉल बुकिंग जैसी जटिल और अविकारी व्यवस्था समाप्त कर पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए सोयाबीन सहित अन्य फसलों की बीमा राशि का तत्काल भुगतान किया जाए ताकि किसानों को आर्थिक राहत मिल सके।

ये रहे मौजूद

इस दौरान विधायक दिनेश जैन बोस, उज्जैन कांग्रेस नगर अध्यक्ष मुकेश भाटी, उमेश शर्मा, राजेश डोडिया, हरीश डोडिया, रूपेश परमार,नरेंद्र कांनड़ी, गंगा सिंह,पर्वत लाल यादव कढ़ाई, अखिलेश जैन कप्तान सिंह, पवन बारोट महेश रावल संजय रावल मौजूद रहे।

साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत बच्चों के विरुद्ध होने वाले

साइबर अपराध एवं साइबर फ्रॉड की जानकारी स्कूली बच्चों को दी

साइबर अपराध से बचाव के लिए जारी किया हेल्पलाइन नंबर 1930

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बडनगर

मध्यप्रदेश पुलिस का साइबर अपराधों के प्रति जन जागरूकता अभियान में महिलाओं और बच्चों में साइबर जागरूकता को लेकर चलाए जा रहे कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर उमावि बड़नगर में मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस महेंद्रसिंह परमार, थाना प्रभारी कमलेश सिंगार एवं संस्था प्राचार्य देवेन्द्र प्रसाद शर्मा ने स्कूल छात्रों के बीच पहुंचकर संवाद किया।

साइबर क्राइम, सोशल मीडिया सहित कैरियर मार्गदर्शन पर बच्चों की क्लास ली है। स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के दौरान एसडीओपी महेंद्रसिंह परमार ने बच्चों से संवाद कर बच्चों से संबंधी अपराध एवं 1930 हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी।थाना प्रभारी कमलेश सिंगार ने बच्चों को गुड टच, बैड टच, बाल अधिकार, सुरक्षा, साइबर क्राइम से बचाव की जानकारी दी। इस दौरान

उन्होंने ने बच्चों से सवाल जवाब भी किए और मोबाइल व सोशल मीडिया के उपयोग से रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में भी विस्तार से समझाया।

बहरहाल साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत पुलिस के अधिकारी शैक्षणिक संस्थानों में पहुंचकर बच्चों में साइबर जागरूकता के साथ ही बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों, साइबर अपराध एवं साइबर फ्रॉड की शिकायत हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी बच्चों को दी जा रही है।

साइबर सुरक्षा के मुख्य उपाय किसी भी लिंक, ईमेल, या मेसेज की सत्यता की जांच करें, अज्ञात नम्बर से ईमेल मेसेज कॉल का जवाब ना दे, मजबूत पासवर्ड बनाए एवं नियमित रूप से बदले, अपनी व्यक्तिगत और बैंक की जानकारी किसी के साथ साझा करने से बचे, पब्लिक वाईफाई के इस्तेमाल से बचें, ऑनलाइन ऑफर लोटरी के झांसे में ना आये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य देवेन्द्र प्रसाद शर्मा ने की, अतिथि परिचय हिम्मत सिंह सिसोदिया उप प्राचार्य ने दिया। अतिथि स्वागत पाली प्रमुख अनिल चौहान एवं पाली प्रमुख मुकेश प्रजापत ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। संचालन एवं आभार आचार्य योगेश जोशी ने किया।

आकाशीय बिजली गिरने से 13 वर्षीय बालिका गंभीर घायल

ब्यावरा। राजगढ़ जिला मुख्यालय से महज कुछ ही दूरी पर स्थित ग्राम फतेहपुर में आकाशीय बिजली गिरने से 13 वर्षीय बालिका राधा इसकी चपेट में आ गई। बताया जा रहा है कि बालिका घर के पास बने टिन शेड के नीचे खड़ी थी, तभी अचानक आकाशीय बिजली गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

प्रशासन कि तत्परता और परिजनों ने बिना देर किए बालिका को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तत्काल उपचार शुरू किया। राहत की बात यह है कि समय पर इलाज मिलने से अब बालिका की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही जिला पंचायत सीईओ इच्छित गढ़पाले अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बालिका का हालचाल जाना, डॉक्टरों से उपचार की जानकारी ली और बेहतर इलाज के लिए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को परिवार को शासन की पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश भी दिए। सीईओ ने परिजनों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। फिलहाल बालिका का उपचार जारी है और उसकी स्थिति पहले से बेहतर बताई जा रही है।

किसानें द्वारा मुआवजा विसंगति दूर करने की माँग

ब्यावरा। सुठालिया सिंचाई परियोजना से प्रभावित किसानों ने शासन-प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि मुआवजा वितरण में की गई विसंगतियों को शीघ्र समाप्त नहीं किया गया, तो वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद परियोजना का निर्माण कार्य किसी भी स्थिति में आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। किसानों का कहना है कि यह संघर्ष उनके सम्मान, अधिकार और आजीविका की रक्षा का है तथा इसके लिए वे हर लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के जिलाध्यक्ष नारायण सिंह चौहान ने कहा कि सरकार और जनप्रतिनिधि प्रभावित किसानों की वर्षों पुरानी न्यायोचित मांगों को लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं।

छात्रों की आवाज बुलंद करने के लिए सच्चाई का मंच लगाकर छात्रों की गूंज कार्यक्रम आयोजित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा।

राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर में पुराना बस स्टैंड स्थित अग्रवाल धर्मशाला में कांग्रेस पार्टी द्वारा कोटा में राहुल गांधी द्वारा किए आयोजन छात्रों की गूंज कार्यक्रम की तर्ज पर देशहित ओर छात्रहित में छात्रों की आवाज बुलंद करने के लिए छात्रों की गूंज कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें सच्चाई का मंच लगाया गया उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह व एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी रहे।

कार्यक्रम में एलईडी पर नीट व अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक से होने वाले नुकसान के विषय को दिखाया व साथ ही राहुल गांधी के कोटा में दिए भाषण व छात्रों से होने वाली चर्चा को दिखाया गया व कार्यक्रम में उपस्थित हुए नीट व अन्य विषयों के छात्रों ने विभिन्न विषयों पर पूर्व केबिनेट मंत्री प्रियव्रत सिंह से प्रश्न किए व उन्होंने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर दिया पायल यादव, आरती चौहान, सक्षम शिवहरे, ललित भिलाला, जयवर्धन सिंह, नरूका सहित कई छात्रों द्वारा प्रश्न पूछे गए कार्यक्रम को पूर्व केबिनेट मंत्री जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह व कुणाल चौधरी ने संबोधित किया उक्त कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष चंदर सिंह सोंधिया, रामचंद्र दांगी, पूर्व विधायक बापूसिंह तंवर, डॉक्टर भारत वर्मा, विधानसभा प्रभारी चंदर सिंह गुर्जर, अमन अरोरा, राहुल दांगी, हेमेंद्र चौहान, पार्षद ज्ञानु विजयवर्गीय, रचना भार्गव, राजकुमार जाट मौजूद रहे।

चार महीने में बदला सरकारी अस्पताल

डायलिसिस यूनिट, हेल्थ एटीएम और डॉक्टर मिलने से बढ़ीं सुविधाएं

- पीआईसीयू भर्ती 234 से बढकर 432, गंभीर ऑपरेशन भी शुरू

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुरा

चार महीने पहले तक सारंगपुर के सरकारी सिविल अस्पताल में किडनी रोगियों को डायलिसिस के लिए शाजापुर, राजगढ, उज्जैन या इंदौर जाना पडता था। गंभीर मरीजों को भी अक्सर रेफर कर दिया जाता था और कई सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। अब हालात तेजी से बदले हैं। अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना, डायलिसिस यूनिट और हेल्थ एटीएम जैसी नई सुविधाओं की शुरूआत के बाद इलाज का दायरा बढा है। इसका असर अस्पताल के आंकडों में भी साफ दिखाई दे रहा है। मार्च में जहां पीआईसीयू में 234 बच्चों का उपचार हुआ था, वहीं जून में यह संख्या बढकर 432 पहुंच गई। मेजर

डायलिसिस सुविधा से बाहर जाने की मजबूरी खत्म

जिला अस्पताल के बाद अब सारंगपुर में भी डायलिसिस यूनिट शुरू हो चुकी है। पहले किडनी रोगियों को नियमित डायलिसिस के लिए निजी अस्पतालों या अन्य शहरों तक जाना पडता था। अब जून महीने में ही 43 मरीजों ने स्थानीय स्तर पर डायलिसिस सुविधा का लाभ लिया। इससे मरीजों का समय और खर्च दोनों कम हुए हैं।

ऑपरेशन, सीजेरियन प्रसव, सोनोग्राफी और अन्य जांच सेवाओं में भी लगातार बढोतरी हुई है। इसका सबसे बडा फायदा उन मरीजों को मिला है, जिन्हें पहले मामूली से लेकर गंभीर इलाज के लिए दूसरे शहरों की दौड लगानी पडती थी।

अस्पताल में पिछले चार महीनों के दौरान सबसे बडा बदलाव विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता के रूप में सामने आया है। चिकित्सक तस्लीम मंसूरी व स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ तथा एनेस्थेटिस्ट डॉ. सरिता यादव की सेवाएं दोबारा मिलने के बाद सीजेरियन प्रसव लगातार किए जा रहे हैं। पहले जहां मार्च में केवल एक सीजेरियन हुआ था, वहीं जून में ये संख्या बढकर 18 पहुंच गई। इसी तरह हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. जय सिंह बघेल, वरिष्ठ सर्जन डॉ. अंकुर देशवाली की पदस्थापना के बाद अस्पताल में कई गंभीर प्रकृति के मेजर ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। इससे ऐसे मरीजों को बाहर रेफर करने की आवश्यकता भी कम हुई है।

संसाधनों का बेहतर उपयोग कर रहे

बीते महीनों में अस्पताल में मरीजों की संख्या और उपचार सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गंभीर प्रकृति के सीजेरियन और अन्य ऑपरेशन भी अब यहीं किए जा रहे हैं। सुविधाएं बढने से लोगों का सरकारी अस्पताल पर भरोसा बढा है। आगे भी उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग से स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा।

डॉ. मनीष चौहान
सिविल अधीक्षक, सारंगपुर

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत खीमाखेडी में पौधारोपण किया

तनोडिया । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गांव खीमाखेडी में स्थित आंगनवाडी केन्द्र परिसर में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में विधायक मधु गेहलोत पहुंचे। इसके बाद भदेडाधाम पर स्थित सगत माता मंदिर में टीनशैड का भूमिपूजन किया गया। कार्यकर्ता द्वारा सम्मान व स्वागत किया गया। अपने संबोधन में विधायक मधु गेहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भारत विश्व पटल पर एक सशक्त, आत्मनिर्भर और उभरती हुई महाशक्ति के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माता के सम्मान एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

गांगी नदी तीसरे दिन भी उफान पर रही

जगोटी । जगोटी क्षेत्र में बहने वाली गांगी नदी लगातार तीसरे दिन भी उफान पर रही, पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में हो रही बारिश ने जहां सामान्य जनजीवन प्रभावित किया है वहीं गांगी नदी के उफान पर आने से कुछ समय के लिए आवागमन भी अवरूद्ध रहा। ग्राम खुरचनिया प्रताप के सत्यनारायण बैरागी ने बताया कि गांव के समीप बने पानी के पाले भी उफान पर रहे वहीं श्री बिल्वकेश्वर महादेव मंदिर के समीप बने घाट भी गांगी नदी के उफान पर आने से डूब गए, मंदिर के समीप बनी पुलिया भी नदी के तेज बहाव के चलते दोनों ओर से क्षतिग्रस्त हो गयी है।

सड़क चौड़ीकरण डिवाइडर बनाने का लोगों को नहीं मिला लाभ

महिदपुर रोड। एमपी एस आर डीसी द्वारा घोंसला से महिदपुर रोड के सडक चौड़ीकरण सौंदर्यीकरण के तहत गोगापुर से रेल्वे स्टेशन तिराहे तक संबंधित कांट्रेक्टर द्वारा सड़क चौड़ीकरण तथा व्यवस्थित यातायात के लिये निर्मित डिवाइडर बनाये जाने के बावजूद डिवाइडरों के दोनों और की दो पट्टी की सड़क की एक पट्टी की पूरी सडक पर अतिक्रमण पसर जाने से पैदल चलने वाले आम लोगों काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वैसे तो सर्किट हाउस से लेकर रेल्वे स्टेशन तक पूरे मार्ग पर अतिक्रमण पसरा पड़ा है लेकिन इसमें भी सर्वाधिक दिक्कत है नागदा तिराहे ,पोस्ट ऑफिस, चौराहे सब्जी मंडी तथा रेल्वे स्टेशन पर आम लोगों को हो रही है इस संबंध में स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन भी अपने आप को पूरी तरह असहाय महसूस करता दिखाई दे रहा है वहीं सड़क मार्ग से दिन भर में गुजरने वाली बीस से अधिक यात्री बसों तथा अन्य वाहन चालकों को काफी तनाव महसूस करते हुए अपने वाहनों को नगर से गुजारना पड़ता है।

लोधी समाज धर्मशाला के लिए विधायक निधि से 51 लाख की घोषणा

मक्सी। शाजापुर विधानसभा के मक्सी नगर स्थित लोधी समाज धर्मशाला में आयोजित भव्य सम्मान एवं सामाजिक कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक अरुण भीमावद ने समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए विधायक निधि से लोधी समाज धर्मशाला निर्माण हेतु 51 लाख प्रदान करने की घोषणा की। इस घोषणा का उपस्थित समाजजनों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष गोलू पटेल ने धर्मशाला के लिए 51 पंखे एवं 2 जंबो कूलर देने की घोषणा की, वहीं नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मोहन सिंह कालू पटेल ने अपनी ओर से 2 बड़े वाटर कूलर भेंट करने की घोषणा की। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रवि पांडे ने अपने संबोधन में समाज के युवाओं के रोजगार एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर रानी अवंतीबाई लोधी युवा निर्माण समिति द्वारा विधायक अरुण भीमावद को रानी अवंतीबाई लोधी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया, जबकि समाज की ओर से भगवान महाकाल का स्मृति-चिह्न प्रदान कर अतिथियों का अभिनंदन किया गया।

निजी स्कूल में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

सारंगपुर। स्थानीय निजी शैक्षणिक संस्था सेंट जॉर्ज कॉन्वेंट हाई स्कूल में विभिन्ना पदों पर चयनित छात्र-छात्राओं के लिए एक गरिमामयी शपथ विधि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी रहे। समारोह की शुरूआत में संस्था प्रमुख मैनेजर फादर पॉल एवं स्कूल प्राचार्या द्वारा मुख्य अतिथि रघुवंशी को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद नवनिर्वाचित छात्र परिषद के पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी ने प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आप जो बनना चाहते हैं, बन सकते हैं। यदि आप एक बार के प्रयास में असफल होते हैं, तो हार न मानें। बार-बार प्रयास कर अपनी चुनी गई मंजिल को अवश्य प्राप्त किया जा सकता है।

उमस में भी घंटों टिका रहेगा मेकअप, अपनाएं ये असरदार फाउंडेशन हैक्स...

ऐसा भी नहीं है कि गर्मी और उसम भरे मौसम में स्वेट प्रूफ मेकअप किया ही नहीं जा सकता। आज हम आपको ह्यूमिडिटी में फाउंडेशन लगाने के कुछ जरूरी टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

गर्मी और उमस भरे मौसम में मेकअप करना और उसको लॉन्ग-लास्टिंग बनाए रखना बड़ी चुनौती है। फाउंडेशन लगाने के बाद फेस कुछ समय के लिए तो ठीक लगता है। लेकिन जैसी ही घर से बाहर जाए, तो फेस पर फिर वही डलनेस नजर आती है। कई बार स्किन पैची और ऑयली हो जाती है। इसको हर थोड़े समय बाद ठीक करना एक टास्क बन जाता है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि गर्मी और उसम में स्वेट प्रूफ मेकअप किया ही नहीं जा सकता। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ह्यूमिडिटी में फाउंडेशन लगाने के कुछ जरूरी टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

फाउंडेशन लगाने के खास टिप्स

गर्मी और उमस के मौसम में फाउंडेशन चेहरे पर सेट रहे, इसके लिए मेकअप की शुरूआत करने का तरीका ज्यादा मायने रखता है। मेकअप करने से पहले जेंटल क्लींजर करें और फिर स्किन पर लाइट वेट नॉन ग्रीजी मॉइस्चराइजर लगाएं। फाउंडेशन लगाने से पहले स्किन को हाइड्रेशन की जरूरत पड़ती है। हालांकि इतना भी नहीं कि फेस पर फाउंडेशन रुक ही न पाए। कुछ घंटों बाद फेस फिर से डल न लगने लगे। इसके लिए सही प्राइमर का चुनाव बेहद जरूरी है। स्किन पर ऑयल एब्जॉर्व करने वाला मैट प्राइमर गर्मियों में परफेक्ट होता है।

वॉटरप्रूफ फाउंडेशन

उमस भरे मौसम में हमेशा वॉटरप्रूफ फाउंडेशन का इस्तेमाल करना चाहिए। अगर सिलिकॉन बेस्ड फाउंडेशन हो, तो ज्यादा अच्छा। ऐसे फाउंडेशन मॉइस्चर के खिलाफ स्किन बैरियर बनाते हैं। वहीं उसमें हयाल्यूरोनिक और नियासिवमाइड जैसे तत्व होने चाहिए। जिससे कि स्किन ज्यादा हैवी न लगे।

फाउंडेशन की पतली लेयर- अगर आपको लगता है कि ज्यादा फाउंडेशन लगाने से ज्यादा अच्छी कवरेज मिलती है। तो आप का सोचना गलत है। असल, में फाउंडेशन की पहली सी लेयर हमेशा फेस पर लगानी चाहिए। इससे आपकी त्वचा भी अनईवन नहीं लगेगी।

ऐसे सेट करें फाउंडेशन- फाउंडेशन के बाद पाउडर सिर्फ इतना लगाना चाहिए कि स्किन न ज्यादा केकी हो या न ज्यादा ड्राई लगे। पाउडर लगाने के बाद स्पंज की मदद से इसको टैप करें, जिससे यह स्किन में सेटल हो जाए। इससे फेस पर मेकअप को लॉक करने में मदद मिलती है और मेकअप लंबे समय तक टिकता है।

मानसून में ये 4 फैब्रिक देंगे कंफर्ट और स्टाइलिश लुक

बारिश के मौसम में क्या पहनें, इस सवाल का जवाब देते हुए यह मानसून गाइड कॉटन और चैम्ब्रे जैसे हवादार फैब्रिक्स की सलाह देती है। इसमें कीचड़ से बचने के लिए सही लंबाई के कपड़े और भीगने पर पारदर्शी न हों, ऐसे रंगों को चुनने जैसे प्रैक्टिकल स्टाइलिंग टिप्स भी शामिल हैं।

बारिश का मौसम अपने साथ राहत लेकर आता है, इसलिए ये सबको पसंद भी होता है। चिलचिलाती धूप और गर्मी के बाद जब मानसून में बारिश होती है, तो बड़ी राहत मिलती है। लेकिन इस मौसम में हवा में उमस बढ़ जाती है, जिसकी वजह चिपचिपाहट होने लगती है। ऐसे में कपड़े भी भीगकर शरीर से चिपकने लगते हैं, जिससे बहुत परेशानी होती है।

कॉटन: बारिश के दिनों के लिए कॉटन सबसे अच्छा माना जाता है। यह बहुत हल्का होता है, त्वचा को आराम देता है और जल्दी सूख जाता है। इसके छोटे-छोटे छेद हवा को अंदर-बाहर आने देते हैं, जिससे पसीना और नमी आसानी से सूख जाती है। आप चाहें तो कॉटन ब्लेंड, जिसमें कॉटन के साथ थोड़ा पॉलिएस्टर या रेयॉन मिला होता है, भी चुन सकते हैं। ये कपड़े सस्ते होते हैं, इनमें आराम पूरा मिलता है और ये बहुत जल्दी सूखते हैं।

क्रेप: यह कपड़ा शरीर पर बहुत अच्छे से फिट बैठता है और दिखने में सुंदर लगता है। क्रेप बहुत हल्का होता है, इसका रंग जल्दी फीका नहीं पड़ता और सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें सिलवटें नहीं पड़तीं। भागदौड़ वाले दिनों में इसे संभालना बहुत आसान है। इसे आप रोज पहनने के साथ-साथ ऑफिस या किसी खास मौके पर भी पहन सकते हैं।

मानसून में हेयर फॉल बन गया है टेंशन?

अपनाएं ये असरदार होम रेमिडीज, तुरंत दिखेगा असर

बरसात का मौसम सबसे सुहावना लगता है। इस दौरान चारों-तरफ हरियाली होती है। बारिश के मौसम में नमी के कारण बालों से जुड़ी समस्याएं जैसे कि बालों का टूटना, रूखापन, बाल बेजान होना। ये सारी समस्याएं बेहद आम हो जाती है। ऐसे में आप भी बालों को मजबूत बनाने के लिए डीप-कंडीशनिंग करना, संतुलित आहार लेना, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी काफी जरुरी है। असल में बारिश से पहले वातावरण में उमस, चिपचिपाहट होने के कारण बाल बेजान होने लगते हैं और ज्यादा टूटते भी हैं। इसलिए इस समस्या से बचने के लिए कुछ घरेलू उपाय बताएं।

स्कैल्प की हाइजीन है जरूरी बालोंका गिरना

दरअसल, हेल्दी स्कैल्प होना बालों की निशानी है। इसलिए बालों की जड़ों को मजबूत बनाने के लिए घरेलू हेयर मास्क का प्रयोग करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यदि आपके हेयर्स मॉनसून में ड्राई-डैमेज हो गए है और काफी बाल झड़ रहे हैं, तो आप इन घरेलू उपायों का इस्तेमाल कर सकती हैं-

तेल की मालिश

हफ्ते में एक बार तिल या नारियल के तेल को हल्का गुनगुना कर लें। इसमें आंवला, भृंगराज, शिकाकाई, लौंग, करी पत्ता, मेथी दाना और रोजमेरी मिलाकर बालों में लगाएं। फिर उंगलियों की मदद से 5 से 10 मिनट तक सिर की त्वचा (स्कैल्प) की हल्के हाथों से मालिश करें। इससे सिर में खून का संचार बेहतर होता है, स्कैल्प को आराम मिलता है और तनाव भी कम होता है। नियमित रूप से ऐसा करने से बालों का टूटना कम हो सकता है।

Sport

सैमसन जिम्बाब्वे टी-20 सीरीज से बाहर, सूर्यवंशी को फिर मौका

लगातार तीसरी सीरीज में चुने गए, रिंकू सिंह और मयंक यादव की वापसी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

बीसीसीआई ने जिम्बाब्वे में 23 से 26 जुलाई तक होने वाली टी-20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली है। बोर्ड ने उनको बाहर करने की कोई वजह भी नहीं बताई है। वहीं, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को लगातार तीसरी सीरीज के लिए टीम में रखा गया है।

इंग्लैंड-आयरलैंड की टी-20 टीम की तुलना में भारत ने 6 बदलाव किए हैं। रिंकू सिंह और मयंक यादव की वापसी हुई है। प्रभसिमरन सिंह, यश ठाकुर, अशोक शर्मा और हर्ष दुबे को पहली बार टी-20 टीम में चुना गया है। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की जगह शिवम दुबे को टीम में शामिल किया गया है।

बीसीसीआई ने यह नहीं बताया कि संजू को बाहर किया गया है या आराम दिया गया है। सैमसन ने हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन पारियों में 5, 0 और 1 रन बनाए थे।

जिम्बाब्वे ने 141 रन डिफेंड कर बांग्लादेश को हराया

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जिम्बाब्वे ने पहले वनडे में बांग्लादेश को 25 रन से हराकर 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में सोमवार को खेले गए मुकाबले में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 36.4 ओवर में 141 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 33.1 ओवर में 116 रन पर सिमट गई।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने 21 रन देकर 6 विकेट लिए। यह वनडे क्रिकेट में किसी भी बांग्लादेशी गेंदबाज का बेस्ट प्रदर्शन है, लेकिन उनकी यह प्रदर्शन भी टीम को जीत नहीं दिला सका। जिम्बाब्वे की जीत के हीरो न्यूमैन न्यामहुरी रहे। उन्होंने 33 रन बनाने के अलावा 2 विकेट और 2 शानदार कैच भी लिए। कप्तान रिचर्ड नगारावा ने 27 रन और 3 विकेट लेकर ऑलराउंड प्रदर्शन किया।

जिम्बाब्वे के लिए न्यामहुरी और नगारावा ने नौवें विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की, जिसने मैच का रुख बदल दिया। इसी साझेदारी की बदौलत टीम 70/8 से 141 रन तक पहुंच सकी। बाद में चारों तेज गेंदबाजों ने मिलकर बांग्लादेश को समेट दिया।

इंग्लैंड ने दस खिलाड़ियों के दम पर मैक्सिको को मात दी

एजेंसी ▸▸ मैक्सिको सिटी

इंग्लैंड की एस्टाडियो एज्टेका स्टेडियम से कड़वी यादें जुड़ी थीं। लेकिन रविवार टीम के लिए यादगार बन गया। जूड बेलिंगहैम ने 98 सेकंड के अंतराल में दो गोल ठोक दिए जबकि हैरी केन ने पेनाल्टी को तब गोल में बदला जब इंग्लैंड 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहा था। इससे पूर्व चैंपियन इंग्लैंड ने मैक्सिको को अंतिम 16 के मुकाबले में 3-2 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब इंग्लैंड सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए नॉर्वे का सामना करेगा। हेडर से खाता खोला : बेलिंगहैम ने 36वें मिनट में हेडर से गोल किया और फिर केन के क्रॉस पर 38वें मिनट में दर्शनीय दूसरा गोल ठोक दिया।

द्रविड़ के बेटे की फिफ्टी के बावजूद भारत हारा, अन्वय ने 87 रन बनाए

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत यू-19 को दूसरे यूथ वनडे में श्रीलंका व-19 ने 8 विकेट से हरा दिया। राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने 67 गेंदों पर 87 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी। श्रीलंका के ओपनर दिमंथा महाविथाना ने नाबाद 155 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

इस जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। 4 जुलाई को पहला वनडे भारत ने 4 विकेट से जीता था।। तीसरा वनडे 9 जुलाई को खेला जाएगा।

हंबनटोटा में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 47.2 ओवर में 285 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 48 ओवर में 2 विकेट पर 291 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही। टीम ने 19वें ओवर तक 81 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ और अर्जुन राजपूत ने पांचवें विकेट के लिए 145 रन जोड़कर पारी संभाली।

17 साल के अन्वय ने 67 गेंदों में 87 रन बनाए। उनकी पारी में 9 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने 47 गेंदों में अपना पहला यूथ वनडे अर्धशतक पूरा किया। अर्जुन राजपूत ने 81 गेंदों पर 76 रन बनाए।

राजपूत 221 के स्कोर पर दिमंथा महाविथाना के थ्रो पर रन आउट हुए। इसके बाद अन्वय भी शतक से 13 रन पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गिम्हान मेंडिस का शिकार बने। उनके आउट होने के बाद भारत ने आखिरी 3 विकेट सिर्फ 22 रन में गंवा दिए।

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय 10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल 36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

विज्ञप्ति
क्षीरसागर कॉलोनी स्थित भूखण्ड क्रमांक 3 नजर अली मार्ग, पथ क्रमांक 3, उत्तरमुखी खुला भूखण्ड 46 फीट बाय 66 फीट विक्रय किया जाना है। वास्तविक इच्छुक व्यक्ति ही स्वयं सम्पर्क करें, मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है।
चन्द्रकान्त शुक्ला
मो. 9406801039

मकान बेचना है
गणेशपुरा मक्सी रोड मेन चौराहा, गली नंबर 1 में 20x40 में निर्मित सर्वसुविधा युक्त मकान बेचना है।
संपर्क 8717818385

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

आवश्यकता है
रेस्टोरेंट में कार्य करने हेतु हेल्पर की जो सभी कार्य कर सके आवश्यकता है।
संपर्क 9827820470

आवश्यकता है
टाइपिस्ट की आवश्यकता है समय रात्रि 7:30 से 10:30 तक वेतन योग्यतानुसार।
संपर्क करें
एडवोकेट विजय पटेल
मीणा समाज धर्मशाला काजीपुरा अंकपत मार्ग उज्जैन
मोबाइल- 9301322699

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क मो.9575477077

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क 9893374872

इन्दौर में 2 BHK फ्लेट बेचना है।
सीता श्री रेसीडेंसी
ऐयर पोर्ट मेनरोड कालानी नगर के पास
ग्राउंड फ्लोर में 4 बैंक व 4 दुकाने है
पास में, मेट्रो स्टेशन निर्माणाधीन मोके की जगह ।
सीधे आनर से संपर्क करें । 9669578652

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें 9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

अवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक और युवती की। कोट पेन्ट बनाने वाले कारीगर की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है। प्रोमिस टेलर मेट्रो टॉकीज के सामने (उज्जैन)
संपर्क करें 7974817308, 9516848052

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क 9111328540

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

न्यूज कॉलम

भाई ने भाई की कर दी हत्या, आपसी विवाद के बाद सिर पर किया वार, शराब के नशे में था आरोपी

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह पारिवारिक विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। आपसी कहासुनी के दौरान एक भाई ने दूसरे भाई के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में आरोपी भाई को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। बाणगंगा थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर के अनुसार मृतक की पहचान संदीप पुत्र अनिल धर्म निवासी बाबा यादव की बड़ी गली के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सुबह किसी बात को लेकर भाइयों के बीच विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ गया कि एक भाई ने संदीप के सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिवार का एक अन्य भाई घायल संदीप को तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचा, लेकिन उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार परिवार में तीन भाई हैं और तीनों मजदूरी करते हैं। प्रारंभिक जानकारी में यह भी सामने आया है कि तीनों शराब पीने के आदी थे। उनकी मां भी उनके साथ रहती हैं।

देवी अहिल्या विवि के नालंदा परिसर से कांग्रेस शुरू करेगी जेन-जी सायक्लोथॉन, उलझन में विवि प्रशासन

इंदौर। कांग्रेस ने परीक्षा घोटालों, पेपर लीक और भ्रष्टाचार से लेकर चंदा चोरी जैसे मामलों पर जेन-जी को एकजुट करने की तैयारी कर ली है। छात्रों की गूंज से कार्यक्रम का ऐलान किया है। 14 और 15 जुलाई को जेन-जी सायक्लोथॉन आयोजित करने की घोषणा भी हो चुकी है। युवाओं के साथ यह साइकिल रैली देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के नालंदा परिसर से शुरू की जाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े के साथ तमाम कांग्रेस नेता इसमें साइकिल चलाते नजर आएगा। इस बीच यूनिवर्सिटी प्रशासन अब असमंजस में है कि कांग्रेस नेताओं को अपने कैंपस से रैली शुरू करने की अनुमति दे या नहीं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष वानखेड़े के अनुसार जेन-जी सायक्लोथॉन शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। युवाओं को जागृत करने और अभियान से जोड़ने के लिए इसे आयोजित किया जा रहा है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर से रीगल चौराहा, हाईकोर्ट चौराहा,लैंटर्न चौराहा, मालवा मिल,पाटनीपुरा चौराहा, भमोरी और विजय नगर से एबी रोड से चलते हुए सायकल रैली भोपाल की ओर रवाना होगी।

पीथमपुर में 20 एकड़ क्षेत्र में 2.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर से विकसित होगी परियोजना

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में लियूगोंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नए विनिर्माण संयंत्र का भूमिपूजन किया। चीन की अग्रणी बहुराष्ट्रीय निर्माण उपकरण निमार्ता कंपनी गुआंग्शी लियूगोंग मशीनरी कंपनी लि. की भारतीय इकाई द्वारा किया जा रहा विस्तार मध्यप्रदेश को निर्माण उपकरण विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। पीथमपुर में स्थापित होने वाला नया संयंत्र लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। परियोजना में लगभग 2.8 मिलियन अमेरिकी डालर का निवेश किया जा रहा है। संयंत्र में प्रारंभिक चरण में प्रतिवर्ष 6,500 निर्माण उपकरणों के उत्पादन की क्षमता विकसित की जाएगी, जिसमें मुख्य रूप से एक्सकेवेटर का निर्माण किया जाएगा। इससे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलने के साथ आयात पर निर्भरता कम होगी और क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

तेज बहाव के बीच नाला पार करने की कोशिश में बाइक समेत बहे युवक की मौत

धार। धार जिले के नौगांव थाना क्षेत्र के ग्राम लबरावदा में मंगलवार को उफनते नाले में बह जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। तेज बारिश के कारण नाले का जलस्तर बढ़ गया था। नाला पार करते समय वह बाइक सहित तेज बहाव की चपेट में आ गए। मृतक की पहचान 40 वर्षीय देव सिंह परमार, निवासी ग्राम तोरनोद के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, देव सिंह गरड़ावद में अपने एक रिश्तेदार से मिलने गए थे। गरड़ावद से अपने गांव तोरनोद लौटते समय लबरावदा के पास नाले में तेज बहाव था। इसी दौरान उन्होंने बाइक से नाला पार करने का प्रयास किया। तभी वह बाइक सहित पानी में बह गए। घटनास्थल पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद देव सिंह को पानी से बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए धार जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। नौगांव थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

रायपुरिया बायपास पुलिया अधूरा निर्माण बना मुसीबत, आवागमन में बाधा

झाबुआ। झाबुआ जिले के पेटलावद तहसील अंतर्गत ग्राम रायपुरिया में 3 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से बन रहा बायपास मार्ग अधूरा पड़ा है। छह महीने बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है, जिससे क्षेत्रवासियों को परेशानी हो रही है। स्थानीय कृषकों ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में बताया कि यह कार्य छह माह पूर्व शुरू हुआ था। विशेष रूप से एक बड़े पुलिया का निर्माण पिछले छह माह से लंबित है। पुलिया निर्माण के लिए खोदे गए गहरे गड्ढों के कारण किसानों का अपने खेतों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। हाल ही में हुई बारिश के कारण यहां बनाया गया अस्थायी डायवर्शन मार्ग भी नाले का जलस्तर बढ़ने से क्षतिग्रस्त हो गया। इससे संपर्क पूरी तरह कट गया है। किसान अपनी उपज और कृषि उपकरण खेतों तक नहीं ले पा रहे हैं, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गुजरात-उज्जैन आने-जाने वाले यात्रियों को भी आवागमन में दिक्कतें आ रही हैं।

चरित्र शंका में पत्नी की हत्या, लाश दीवान में छिपाई, उसी पर रातभर सोता रहा पति

धार। राजगढ़ के शंकरपुरा क्षेत्र में चरित्र शंका में पति ने पत्नी का गला घोंटकर हत्या कर दी, फिर शव दीवान में छिपाकर उसी पर बिस्तर लगाकर रातभर सोता रहा। सुबह पत्नी के गायब होने की बात कहकर परिजनों को गुमराह किया। संदेह होने पर पुलिस ने घर की तलाशी ली तो दीवान में शव मिला। पुलिस ने आरोपी पति कमलेश खराड़ी को गिरफ्तार कर लिया है। राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने बताया कि हीना खराड़ी (35) सोमवार रात से दिखाई नहीं दी तो परिजनों ने कमलेश से पूछताछ की। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। पूछताछ में कमलेश के हावभाव संदिग्ध लगे तो घर की तलाशी ली गई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि चरित्र शंका को लेकर विवाद के बाद शराब के नशे में उसने पत्नी की हत्या की थी। घटना के समय दंपती की तीन बेटियां और एक बेटा बुआ के घर थे। परिजनों के अनुसार दोनों ने करीब 10 साल पूर्व प्रेम विवाह किया था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से आरोपी शराब का आदी हो गया था, जिसके चलते अक्सर विवाद होता था।

नौगांव का बंद नाला फिर खुला, मुंज सागर में पहुंचा रेलवे ब्रिज निर्माण से बाधित जलधारा बहाल

धार। धार शहर के मुंज सागर तालाब तक वर्षा जल पहुंचाने वाला नौगांव रेलवे स्टेशन के पास स्थित प्रमुख नाला एक बार फिर चालू हो गया है। इसके खुलने से बारिश का पानी दोबारा तालाब तक पहुंचना शुरू हो गया है। यह नाला रेलवे द्वारा ब्रिज निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी डालकर पूरी तरह बंद कर दिया गया था। नौगांव रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे पुल निर्माण का कार्य चल रहा था, जिसके चलते नाले के मार्ग पर अवरोध उत्पन्न हो गया था। नाले के बंद होने से मुंज सागर तालाब में पानी की आवक पूरी तरह थम गई थी। क्षेत्र का वर्षा जल आगे नहीं बढ़ पा रहा था, जिससे तालाब तक पहुंचने वाला प्राकृतिक जल प्रवाह बाधित हो गया था। स्थानीय लोगों ने इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए नाला खोलने की मांग की थी। अब रेलवे प्रशासन ने नाले से मिट्टी हटाकर उसकी सफाई कर दी है। इस कार्रवाई के बाद वर्षा जल उसी मार्ग से मुंज सागर तालाब में फिर से प्रवाहित होने लगा है। हाल ही में हुई बारिश में नाले से तेज बहाव के साथ पानी तालाब में जाता देखा गया है, जिससे तालाब के जलस्तर में वृद्धि की उम्मीद है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह नाला मुंज सागर का प्रमुख वर्षा जल स्रोत है, और इसके दोबारा खुलने से प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था बहाल हो गई है। अच्छी बारिश होने पर मुंज सागर में पर्याप्त जल संग्रह होने की संभावना है।

इंदौर के टंट्याभील चौराहे पर विभिन्न मांगों को लेकर छात्रों का धरना प्रदर्शन लगातार आठवें दिन भी जारी

युवा अपनी रोज की कमाई का हिस्सा भी आंदोलन के लिए दे रहे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के टंट्याभील चौराहे पर विभिन्न मांगों को लेकर छात्रों का धरना प्रदर्शन लगातार आठवें दिन भी जारी रहा। खास बात यह है कि यह आंदोलन पूरी तरह आमजन के सहयोग से संचालित हो रहा है। धरना स्थल पर लगे टेंट, गद्दे, भोजन और पेयजल की व्यवस्था समाज के लोगों और छात्रों के सहयोग से की जा रही है। कई युवा अपनी रोज की कमाई का हिस्सा भी आंदोलन के लिए दे रहे हैं, ताकि धरना बिना रुके चलता रहे।

बारिश में भी नहीं छोड़ा धरनास्थल

छात्रों ने बताया कि जब आठ दिन पहले धरना शुरू हुआ था, तब उनके पास टेंट या अन्य कोई सुविधा नहीं थी। वे टंट्याभील की प्रतिमा के पास खुले में

बैठकर प्रदर्शन कर रहे थे। बारिश के दौरान खुद को बचाने के लिए उन्हें बैठने वाली गद्दियों को ही ओढ़ना पड़ा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई सामाजिक संगठन और आम लोग मदद के लिए आगे आए, जिसके बाद टेंट, गद्दे और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं की गईं।

कमाई का हिस्सा भी दे रहे युवा- धरने में शामिल ड्राइवर दिनेश वास्कले ने बताया कि वे पेशे से ड्राइवर हैं और उनके छोटे बच्चे हैं। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक जैसी घटनाओं से भविष्य प्रभावित हो रहा है, इसलिए वे छात्रों के समर्थन में खड़े हैं। उन्होंने अपना जन्मदिन भी धरना स्थल पर मनाया और उस दिन छात्रों के भोजन की व्यवस्था कराई।

वहीं डिलीवरी बॉय चंदन मोवेल ने बताया कि वह रात में डिलीवरी का काम करते हैं और अपनी कमाई का एक हिस्सा आंदोलन के लिए दे रहे हैं। इसी तरह टू-व्हीलर टैक्सी चलाने वाले कुछ अन्य युवा भी अपनी आय का हिस्सा छात्रों के सहयोग में दे रहे हैं।

23 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन

प्रदर्शन कर रहे छात्र नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे, सभी रिक्त और बैकलॉग पदों पर जल्द भर्ती सहित 23 सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।

जनता के सहयोग से चल रही पूरी व्यवस्था

धरने में शामिल पवन अहिरवार और अरुण बड़ोले ने बताया कि टेंट और अन्य व्यवस्थाओं पर प्रतिदिन करीब 1,500 रुपए का खर्च आता है। यह राशि आम नागरिकों के सहयोग से जुटाई जा रही है। धरना स्थल पर एक सहयोग पेटी भी रखी गई है, जिसमें लोग स्वेच्छा से आर्थिक सहायता दे रहे हैं। कई छात्र चौराहे पर जाकर लोगों से आंदोलन के लिए सहयोग की अपील भी कर रहे हैं।

तेंदुए के मूवमेंट जानने सीसीटीवी खंगाले

रिहायशी इलाके में घुसा तेंदुआ, बाइक सवार पर झपट्टा मारा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कनाड़िया थाना क्षेत्र के बिचौली मर्दाना इलाके में मंगलवार रात एक तेंदुए के घुसने से हड़कंप मच गया। रात करीब 8:30 बजे तेंदुआ आबादी वाले हिस्से में पहुंचा और वहां से गुजर रहे एक बाइक सवार पर झपट्टा मार दिया। युवक किसी तरह जान बचाकर भाग निकला। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

हमले के बाद तेंदुआ भागते हुए एक मकान के बाथरूम में घुस गया। कुछ देर बाद वह वहां से निकलकर श्रीजी वैली की ओर भाग गया। सूचना मिलते ही कनाड़िया पुलिस और वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों

की फुटेज खंगाल रही है ताकि तेंदुए की मूवमेंट का पता लगाया जा सके। साथ ही आसपास की कॉलोनियों और गांवों में लोगों को सतर्क रहने की सूचना दी गई है। वन विभाग की रेंजर संगीता ठाकुर के मुताबिक रात में 1 बजे सर्चिंग चली थी। घर से निकलने के बाद तेंदुआ देवगुराड़िया की पहाड़ी की तरफ भागा था। सुबह से कोई सर्चिंग नहीं है। मामले में नजर बनाए हैं सूचना मिलने पर टीम भेजी जाएगी।

वन विभाग की टीम कर रही सर्चिंग

पुलिस ने बताया कि तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम लगातार सर्च कर रही है। एहतियात के तौर पर पुलिस की दो गाड़ियां पूरे इलाके में गश्त कर रही हैं। लोगों से अपील की गई है कि रात में घरों से बाहर न निकलें और तेंदुआ दिखाई देने पर तुरंत पुलिस या वन विभाग को सूचना दें। प्राथमिक आशंका है कि लगातार हो रही बारिश के कारण तेंदुआ खुड़ैल के जंगल से निकलकर रिहायशी इलाके में पहुंच गया।

शिकायत के बाद एक स्कूल और तीन खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने कलेक्टर हेल्पलाइन, सीएम हेल्पलाइन और पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मंगलवार को शहर के एक स्कूल और तीन खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। अभियान के दौरान कुल चार प्रतिष्ठानों से 17 खाद्य नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। इनको जांच के लिए भोपाल भेजा गया है। जांच दल को सबसे गंभीर अनियमितताएं छोटा बांगड़दा रोड स्थित वेदांत इंटरनेशनल स्कूल की मेस में सामने आईं। कलेक्टर हेल्पलाइन पर अभिभावक की शिकायत के बाद हुई जांच में काला चना, तैयार चावल, मंचूरियन और काला नमक के चार नमूने लिए गए।

निरीक्षण के दौरान छात्रों को एमएसजी युक्त मंचूरियन परोसा जाना पाया गया। किचन में सड़े हुए आलू भी मिले, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया।

खाद्य हैंडलर्स के मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र और भोजन निर्माण में उपयोग किए जाने वाले पानी की जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं मिली। विद्यालय प्रबंधन को नोटिस जारी कर खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन पर मिली शिकायत के आधार पर न्यू पलासिया स्थित प्राजी दे कुलचे का निरीक्षण कर राजमा, तैयार छोले और मैदा के तीन नमूने लिए गए।

इंदौर क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

एनडीपीएस एक्ट का फरार आरोपी कोर्ट परिसर से गिरफ्तार, पूछताछ कर रही पुलिस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ पीथमपुर

इंदौर क्राइम ब्रांच ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की कोर्ट परिसर से औपचारिक गिरफ्तारी की गई। पुलिस अब उससे मादक पदार्थों के सप्लाई नेटवर्क और मामले में उसकी भूमिका को लेकर पूछताछ कर रही है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी तौसीफ (33) पिता आरिफ खान निवासी तंजीम नगर खजराना है, जो फेब्रिकेशन का काम करता है। वह एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में फरार चल रहा था और पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी।

पुलिस के अनुसार 6 जनवरी 2026 को क्राइम ब्रांच ने आरोपी असद शेख को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 ग्राम कोकीन तथा

वारदात में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की सफेद दोपहिया वाहन जब्त किया था। मामले की जांच के दौरान तौसीफ की संलिप्तता सामने आई थी, जिसके बाद उसे फरार आरोपी घोषित किया गया था। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि तौसीफ कोर्ट परिसर में मौजूद है। इसके बाद टीम ने वहां पहुंचकर उसकी औपचारिक गिरफ्तारी की। अब पुलिस उससे मामले में उसकी भूमिका, मादक पदार्थों के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस आयुक्त के निर्देश पर इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 1 जनवरी 2026 से अब तक एनडीपीएस एक्ट के विभिन्न मामलों में 80 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

7.40 किमी लंबे एलीवेटेड कॉरिडोर की धीमी रफ्तार

एमआर-9 से पलासिया तक रोज लग रहा जाम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

एलआईजी से नवलखा तक बन रहे 7.40 किमी लंबे एलीवेटेड कॉरिडोर की धीमी रफ्तार आम जनता के लिए परेशानी साबित हो रही है।

एबी रोड पर ढाई महीने पहले की गई बैरिकेडिंग के बावजूद मौके पर काम बंद जैसा है। बारिश में पीक ऑवर्स के दौरान जाम लग रहा है। घंटों वाहन रेंग रहे हैं। अब जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की गई है। सुझाव है कि जहां तत्काल काम नहीं होना है, वहां से बैरिकेडिंग तुरंत हटाई जाए ताकि वाहन चालकों को राहत मिले।

काम के नाम पर केवल टेस्टिंग, बढ़ेगी जवाबदेही- करीब 350 करोड़ रुपए का यह प्रोजेक्ट कई महीनों से सड़क का बड़ा हिस्सा ब्लॉक किए हुए है। अधिकांश स्थानों पर केवल शुरूआती टेस्टिंग हुई है, वास्तविक निर्माण शुरू नहीं हो सका। इसे लेकर सांसद शंकर लालवानी ने कलेक्टर को पत्र लिखा है।

लोको पायलट ने समोसे के लिए रोकी ट्रेन, लोग बोले- अक्सर ऐसा ही होता है

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर-महू के बीच चल रही डेमू ट्रेन से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है। इसमें ट्रेन रुकी हुई है जबकि लोको पायलट ट्रेक के किनारे बनी एक दुकान पर खड़ा है। वह दुकान से समोसे खरीदता है, फिर इंजन की तरफ बढ़ता है। लोको पायलट के इंजन में चढ़ने के बाद

ट्रेन आगे बढ़ जाती है।

वीडियो राऊ के रंगवासा रोड इलाके का बताया जा रहा है। स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि इंदौर-महू डेमू ट्रेन यहां अक्सर कुछ मिनटों के लिए रुकती है। लोको पायलट ट्रेन से उतरकर पास की दुकान से समोसे खरीदता है। इसके बाद ही ट्रेन यहां से रवाना होती है।

रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो उनके संज्ञान में आया है। इसे सीनियर अफसरों को भेज दिया गया है। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। अगर यह साबित होता है कि लोको पायलट ने बिना अधिकृत कारण, सिग्नल या परिचालन संबंधी जरूरत के ट्रेन रोकी और निजी काम के लिए केबिन से बाहर निकला, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवती ने युवक को बीच सड़क पर लगातार मारे थप्पड़, छेड़छाड़ का लगाया आरोप

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

एमआईजी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक युवक की बीच सड़क पर पिटाई की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवती ने युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया, जबकि पुलिस का कहना है कि फिलहाल इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार एमआईजी इलाके स्थित आस्था टॉकीज के पास एक युवती और उसके साथ मौजूद कुछ लोगों ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक नशे की हालत में था। वायरल वीडियो में युवती युवक को लगातार थप्पड़ और लात-घूंसों से मारती दिखाई दे रही है। इस दौरान युवक उससे माफी मांगता भी नजर आ रहा है। घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। आरोप है कि पिटाई के बाद युवक के कपड़े भी सड़क पर उतरवा दिए गए। स्थानीय लोगों के अनुसार युवती ने युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। हालांकि एमआईजी थाना पुलिस का कहना है कि अब तक इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से शिकायत नहीं मिली है। वायरल वीडियो के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। टीआई सीबी सिंह के मुताबिक दो लड़के दोनों के नाम सचिन हैं। रीवा के रहने वाले हैं, मनावर में एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करते हैं।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com